Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 286 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 06 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा रूपी देवता को आज धरती पर लाने की जरूरत है।

It is the need of the day to bring the deity of nonviolence on earth.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

उज्जैन के महाकाल मंदिर परिसर में लगी भीषण आग

उज्जैन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल मंदिर परिसर में आज दोपहर आग लगने से हडकंप मच गया। मंदिर के गेट नंबर एक के पास स्थित फैसिलिटी सेंटर के ऊपर बने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कंट्रोल रूम में अचानक आग लग गई थी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे हुई। कंट्रोल रूम से अचानक आग की लपटें उठने लगीं और देखते ही देखते धुआं फैल गया, जिससे मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया। समय रहते आग पर काबू पाने से एक बड़ा हादसा टल गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

मोदी के नेतृत्व में भारत निर्ममता के साथ ड्रग कार्टेल को खत्म कर रहा : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि एनसीबी की अमृतसर जोनल यूनिट ने 4 राज्यों में 4 महीने तक चले ऑपरेशन के ज़रिए ड्रग डायवर्जन कार्टेल को खत्म किया, 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की और 15 लोगों को गिरफ़्तार किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नशामुक्त भारत बनाने के विजन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सुशासन तिहार 2025 मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर लिमगांव की बजाय बन्दोरा गांव में उतरा

सीएम विष्णुदेव साय ने सक्ति जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत की जानकारी ली

प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं से ग्रामीणों के जीवन में आ रहा है सकारात्मक परिवर्तन- साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सोमवार को सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत आकस्मिक दौरे पर रहे। मुख्यमंत्री साय सक्ती जिले के करिगांव में अचानक पहुँचकर ग्रामवासियों को आश्चर्यचकित कर दिया। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर लिमगांव की बजाय सीधे बन्दोरा गांव में उतरा, जिससे प्रशासनिक अमला कुछ समय के लिए असमंजस में पड़ गया। प्रशासन पहले से ही लिमगांव में मुख्यमंत्री की अगवानी की तैयारी में जुटा था, परन्तु मुख्यमंत्री के करिगांव पहुँचने से पूरी व्यवस्थाएं तत्काल वहाँ स्थानांतरित करनी पड़ीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने करिगांव में पीपल के वृक्ष के नीचे खाट पर बैठकर चौपाल लगाई। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याएं, सुझाव और सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सुशासन का मूल आधार जनसुनवाई और जनसरोकार से जुड़ाव है और आज की यह चौपाल उसी दिशा में एक कदम है।

आवास योजना के सर्वे हेतु मुख्यमंत्री की अपील- चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नए आवास की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार सबके लिए आवास उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सर्वेक्षण कार्य 15 मई 2025 तक चल रहा है, जिसमें वे सभी लोग अपना नाम दर्ज कराएं जो अब तक इस योजना से वंचित हैं। पात्रता के अनुसार सभी को आवास देने का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र नागरिक आवास के अधिकार से वंचित न रहे। यह केवल एक छत देने की योजना नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा देने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नागरिकों की भागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित शासन प्रणाली है। उन्होंने कहा कि चौपाल के माध्यम से हम सीधे लोगों के जीवन से जुड़कर यह जान पाते हैं कि योजनाएं वास्तव में लोगों के जीवन में क्या बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा कि जब हम किसी हितग्राही के घर जाकर पूछते हैं कि पैसा आया या नहीं, जब हम स्वयं निर्माण कार्य की गुणवत्ता को देखते हैं, तभी हमें विश्वास होता है कि योजनाएं फाइलों से निकलकर हितग्राहियों तक पहुंच रही हैं।

पीएम आवास योजना हितग्राही के घर पहुंचे मुख्यमंत्री

चौपाल के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की लाभार्थी श्रीमती सोनाई बाई के निर्माणाधीन आवास पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी और परिवार से बातचीत करते हुए योजना से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने हितग्राही से पूछा कि क्या उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि मिल रही है। इस पर श्रीमती सोनाई बाई ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से यह राशि प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने देखा कि उनके घर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से जल आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तो आपके घर तक पानी भी पहुंच रहा है, यह हमारे गांवों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

मुख्यमंत्री ने जांजगीर में किया नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण

142 वर्षों बाद जांजगीर को मिला नया तहसील भवन

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के तहत 'संवाद से समाधान' की भावना के साथ आकस्मिक दौरे पर जांजगीर पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिलेवासियों को 142 वर्षों बाद एक ऐतिहासिक सौगात दी। उन्होंने नव-निर्मित तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। अंग्रेजी शासन काल में वर्ष 1883 में बना पुराना तहसील भवन अब इतिहास बन गया है, और उसकी जगह 4 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन जनता को समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि आमजन तक सेवाओं की सरल, सहज और सुगम पहुँच सुनिश्चित हो, और यह नवीन तहसील कार्यालय उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि इस भवन से क्षेत्र के 54 गांवों और 24 पटवारी हल्कों के नागरिकों को राजस्व से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी।

नवीन तहसील भवन में प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों के कुशल संचालन के लिए आवश्यक समस्त सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसमें लोक सेवा केंद्र के माध्यम से जाति, निवास, आय प्रमाण-पत्र जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी, वहीं आवक-जावक शाखा में दस्तावेजों का नियमानुसार प्रेषण और आवाज सुनिश्चित किया जाएगा। न्यायालयीन दस्तावेजों के संधारण के लिए नजीर शाखा, निर्वाचन से संबंधित कार्यों के लिए निर्वाचन शाखा, भूमि व राजस्व अभिलेखों के लिए कानूनगो शाखा तथा राजस्व वसूली और आर्थिक प्रबंधन के लिए मालजमादार कक्ष की स्थापना की गई है।

पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से की फोन पर बात, कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ रूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चाय पीकर ऑल्टो कार जीता, जैन चुस्की चाय के लकी ड्रा में कई उपभोक्ताओं ने जीते लाखों के उपहार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ एवं मध्य भारत में सर्वाधिक बिकने वाला चाय उत्पाद जैन चुस्की चाय के द्वारा विगत 8 महीने पूर्व अपने उपभोक्ताओं के लिए बेहद आकर्षक लकी ड्रा ऑफर निकाला गया था जिसके अंतर्गत प्रत्येक 300 रुपए तक के जैन चुस्की चाय की कोई भी उत्पाद की खरीदी करने पर एक कूपन मुफ्त प्रदान किया जा रहा था यह योजना रिटेलर्स होलसेलर एवं प्रत्येक उपभोक्ताओं के लिए प्रारंभ किया गया था जिसके अंतर्गत प्रथम पुरस्कार शानदार ऑल्टो कार, दूसरा पुरस्कार दो एक्टिवा स्कूटी (दो विजेताओं को) तीसरा पुरस्कार वाशिंग मशीन (10 विजेताओं को) चौथा पुरस्कार 100 ग्राम चांदी के सिक्के (50 विजेताओं को)पांचवा पुरस्कार 50 ग्राम चांदी के सिक्के (100 विजेताओं को) प्रदान किया जाना था उक्त योजना को लेकर ग्राहकों एवं व्यापारियों के मध्य खासा उत्साह देखा जा रहा था विगत दिनों रायपुर स्थित सालासर बालाजी मंदिर में लकी ड्रा के माध्यम से विजेताओं का चयन किया गया जहां पर जैन ट्रेडर्स की पूरी टीम सम्माननीय डीलर- डिस्ट्रीब्यूटर के अलावा मीडिया बंधु एवं सम्माननीय कस्टमर भी उपस्थित थे इन सभी के सामने एक रंगारंग कार्यक्रम के मध्य में पूरे पारदर्शिता से लकी ड्रा निकालकर विजेताओं का कूपन निकालकर इस योजना का समापन किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार ऑल्टो कार के भाग्यशाली विजेता रायपुर स्थित आर एस ट्रेडर्स गुढ़ियारी के नाम रहा जैन ट्रेडर्स के संचालक श्री यशवंत जैन ने उनको कार जीतने पर बधाई दिया उन्होंने आश्वासन दिया कि इस प्रकार की योजना हम भविष्य में भी लेकर आते रहेंगे जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस लाभकारी योजना में हिस्सेदारी दर्ज करा कर योजना का लाभ ले सके आपको बताते चले कि जैन ट्रेडर्स के चाय के उत्पाद अपने विशेष स्वाद सुगंध और क्वालिटी के चलते छत्तीसगढ़ के साथ पड़ोसी राज्यों जैसे मध्य प्रदेश ,उड़ीसा आदि में भी काफी लोकप्रिय है।

राजनाथ सिंह और जापानी रक्षा मंत्री के बीच हुई मुलाकात

पहलगाम हमले के बाद मिले समर्थन का भारत ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत-जापान रक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पहलगाम हमले के बाद जापान की तरफ से मिले समर्थन पर आभार व्यक्त किया। राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों पक्षों के बीच वर्तमान क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। भारत-जापान रक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं जापान सरकार का पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ मजबूत एकजुटता दिखाने के लिए धन्यवाद करता हूं। मैं इस अवसर पर भारत-जापान रक्षा संबंधों को गहरा करने में आपके बड़े योगदान की सराहना करता हूं।

उप मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम-सह-कार्यशाला का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव प्रदेशभर के नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ पांच और छह मई को दो दिनों तक संवाद करेंगे। इसी क्रम में आज पांच मई सोमवार को निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ 'नगर सुराज संगम' के विकास के विजन पर पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से रायपुर के एक निजी होटल में चर्चा कर रहे हैं। देश में पहली बार उप मुख्यमंत्री अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चर्चा कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने करीब 50 स्लाइड्स की पीपीटी से शहरों के विकास का रोडमैप दिखाया। राज्य के 14 नगर निगमों के मेयर्स, सभापतियों, एमआईसी सदस्यों, आयुक्तों और वरिष्ठ अभियंताओं से शेयर किया। उन्होंने अपने सवा घंटे के संबोधन और पीपीटी प्रस्तुतिकरण के दौरान एक-एक स्लाइड्स की डिटेलिंग भी की। पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अटल विश्वास पत्र के प्रमुख बिंदुओं, नगरीय निकायों की चुनौतियों, नागरिकों की अपेक्षाएं एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, शहरी वानिकी, शहरी परिवहन, स्ट्रीट लाइटिंग, कर संग्रहण और सिटी डेव्हलपमेंट प्लान के विभिन्न आयामों पर चर्चा भी की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौरों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों को पाती लिखकर प्रबोधन-सह-कार्यशाला में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने अपनी पाती में नगरीय निकायों के आम निर्वाचन में निर्वाचित होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि हमारी सुशासन की सरकार के संकल्प पर आम जनता ने नगरीय निकायों के निर्वाचन में भी अपना विश्वास हमारी नीतियों एवं कार्यप्रणाली पर जताया है। भविष्य में भी हमारा प्रयास जनता के इस भरोसे को अपने जन हितकारी कार्यों से अक्षुण्ण बनाए रखना होगा। आप अपने शहर के प्रथम नागरिक हैं, जिससे आपका दायित्व भी बढ़ा है। हमारी सरकार आप सभी के सहयोग से शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधापूर्ण बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

श्रद्धासुमन - स्मृतिशेष

100 वें जन्मदिवस 06 मई 2025

जन्म : 06 मई 1925

अवसान : 09 फरवरी 2006

स्व. पं. बंशराज तिवारी जी

विधायक बलौदाबाजार (1977-80)

छत्तीसगढ़ की राजनीतिक, सामाजिक और न्यायिक चेतना के पथप्रदर्शक रहे पंडित बंशराज तिवारी न केवल एक कुशल अधिवक्ता थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजसेवी और जननेता के रूप में जनमानस के हृदय में आज भी जीवित हैं। उनका जीवन उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में से था, जिन्होंने सिद्धांतों की राजनीति की, निष्ठा से समाज सेवा की और अपने समर्पण से क्षेत्र के विकास की एक अमिट छाप छोड़ी।

टीप :

बाबू जी की जन्मजयंती पर 19 वां निःशुल्क रोग परीक्षण एवं निदान शिविर 6 मई 2025 मंगलवार प्रातः 10 बजे से संध्या 5 बजे तक

श्रद्धावनत् : अशोक तिवारी, डॉ. प्रमोद तिवारी, विनोद तिवारी, विपिन तिवारी, विष्णु प्रसन्न तिवारी, डॉ. अरविंद-डॉ. आशा द्विवेदी, विवेक आनंद, अभिषेक, दुष्यंत, डॉ. नितिन, प्रत्यूश, प्रांजल, अमृतांश एवं समस्त तिवारी परिवार बलौदाबाजार

स्थान - CDTH चंदा देवी तिवारी हॉस्पिटल सिटी कोतवाली के सामने बलौदाबाजार छ. ग. संपर्क - 9111705555

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार

रायपुर, मंगलवार 06 मई 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

प्रत्यासित बरसात से हुए जल भराव का निकासी करवाया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। अप्रत्यासित बरसात के कारण नगर पालिक निगम भिलाई के कुछ क्षेत्रों में जल भराव हो गया था। जिसे निगम की टीम युद्व स्तर पर व्यवस्थित करवा रही है। कुछ क्षेत्रों में आंधी-तुफान से वृक्ष भी गिर गये थे, उसे भी हटवाया जा रहा है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किए है कि नगर निगम भिलाई को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। कहीं भी किसी भी परिस्थिति में जल भराव या पेड़, डाली गिरने की स्थिति में निगम का अमला तुरन्त सक्रिय हो जाए। इसकी तैयारी निगम क्षेत्र के सभी बड़े नाली, नालियों को पुन: एक बार जे.सी.बी. एवं चैन माउटिंग से सफाई कर दिया जाए, जिससे पानी का निकासी बराबर हो सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जोन क्रं. 01 नेहरू नगर में जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, जोन क्रं. 02 वैशाली नगर में जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा, जोन क्रं. 03 मदर टेरेसा नगर में जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, जोन क्रं. 04 शिवाजी नगर खुर्सीपार में जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी एवं जोन क्रं. 05 में वरिष्ठ सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व्ही के सेमुवल की डयूटी लगाई गई है। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में अपने दल के साथ सजग रहेगें। जैसे ही इस प्रकार का कोई वार्डो या जनप्रतिनिधियों से जानकारी मिलेगी। तो दल समय अनुसार मौके पर पहुंच कर स्थिति को सामान्य करेगा।

आज से सुशासन तिहार समाधान शिविर निगम भिलाई के विभिन्न वार्डों में

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार में प्राप्त 1683 आवेदनों का निराकरण हो चुका है। जो शेष है उसे प्रशासनिक अनुमति के लिए भेजा जाएगा। निराकृत आवेदनों के समाधान के पश्चात निगम का दल नोडल अधिकारी आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में मौके पर पहुंचकर किए गए समाधानों कार्यों का निरीक्षण करेंगे, संबंधित व्यक्ति से भी बात करेंगे। इसी उद्देश्य से समाधान शिविर लगाया जा रहा है। समाधान शिविर में भी यदि कोई नागरिक अन्य कार्य के लिए आवेदन करना चाहता है, तो उसे भी स्वीकार किया जायेगा। शिविर के सहायक नोडल अधिकारी जोन 1 आयुक्त अजय सिंह राजपूत, जोन 2 ऐशा लहरे, जोन 3 सतीश यादव, जोन 4 अमरनाथ दुबे, जोन 5 कुलदीप गुप्ता रहेंगे। अपने-अपने जोन के समाधान शिविर में रहेंगे। प्रथम शिविर नेहरू नगर जोन क्रमांक 1 में लगाया जा रहा है। शिविर स्थल दिनांक 06.05.2025 दिन मंगलवार वार्ड क्रं. 18 हरा मैदान कांट्रेक्टर कालोनी समाधान शिविर आयोजित है। जिसमें कार्यपालन अभियंता अखिल चंद्राकर, प्रभारी सहायक अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा दल के सदस्यों के साथ सामुहिक रूप से उपस्थित रहेंगे। 6 मई के समाधान शिविर में सम्मिलित वार्ड 09 राजीव नगर, वार्ड 10 लक्ष्मी नगर, वार्ड 11 फरीद नगर, वार्ड 12 अवंती बाई कोहका, वार्ड 13 पुरानी बस्ती कोहका, वार्ड 17 नेहरू भवन, वार्ड 18 कांट्रेक्टर कालोनी के नागरिकगण उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते है। दिनांक 09.05.2025 दिन शुक्रवार जोन 01 कार्यालय नेहरू नगर पानी टंकी में सम्मिलित वार्ड 01 जुनवानी, वार्ड 02 स्मृति नगर, वार्ड 03 मॉडल टाउन, वार्ड 04 नेहरू नगर, वार्ड 05 कोसा नगर, वार्ड 06 प्रियदर्शिनी परिसर, वार्ड 07 राधिका नगर, वार्ड 08 कृष्णा नगर के नागरिकगण सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत अपने मांग एवं शिकायत से संबंधित आवेदन किए है, उसका समाधान किया जा चुका है। उस संबंध में भी जानकारी प्राप्त कर सकते है। आवश्यकतानुसार दुसरा आवेदन भी कर सकते है। शिविर का उद्देश्य है, शासन की जनकल्याणकारी नितीयों एवं किए जा रहे जन उपयोगी कार्यो से लोगो को अवगत कराना।

त्रुटी सुधार

सूचित किया जाता है कि हमारे दैनिक अखबार द्वारा **2/5/2025** को नगर पालिक निगम रायपुर का **"EOI"** प्रकाशित किया गया था जिसमें **भूलवश क्रमांक (Ref) 11 की जगह क्र. 4 प्रकाशित** हो गया था कृपया उसे **11 पढ़ा** जाए।

नोट - बाकी नियम व शर्त यथावर्त रहेंगे।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक 04

सुशासन तिहार में विधायक की मौजुदगी में हुआ आवेदन का निराकरण, राशन दुकान निरस्त करने की अनुशंसा

रिसाली (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के अंतिम चरण के शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ने न केवल शिकायत वाले आवेदन का सूक्ष्मता से अध्ययन किया, बल्कि अपनी उपस्थिति में निराकरण करने अधिकारियों को निर्देश दिए। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललीत चंद्राकर नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा पुरैना में आयोजित किए सुशासन शिविर में घंटो बैठे रहे। उन्होंने शिकायत मिलने पर पुरैना में संचालित दो राशन दुकान को निरस्त करने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललीत चंद्राकर ने कहा कि विष्णुदेव सरकार इस बात पर कटिबद्ध है कि नागरिक अपनी शिकायतों को लेकर भटके न। यही वजह है कि प्रदेश सरकार ग्रामीण व शहरी स्तर पर इस तरह का शिविर लगाकर समस्याओं का समाधान तत्काल निर्धारित अवधि में करने का निर्णय ली है। उन्होंने पुरैना के नागरिकों की मांग पर खाद्य विभाग के अधिकारी वसूधा गुप्ता को निर्देश दिए कि पुरैना में संचालित राशन दुकान को निरस्त कर नए सिरे से आवंटन करे। दरअसल नागरिकों का कहना था कि दो महिने से राशन दुकान से शक्कर उपलब्ध नहीं हो रहा है। शिविर में विधायक ने दो लर्निंग लाइसेंस का वितरण भी किया। इस अवसर पर आयुक्त मोनिका वर्मा ने शासन के विभिन्न योजनाओं समेत प्राप्त आवेदनों का निराकरण किए जाने संबंधी जानकारी नागरिकों व मंचस्थ अतिथियों को दी। शिविर में मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल व अनूपम साहू समेत लक्ष्मण राव व डी साई विशेष रूप से उपस्थित थे।

हटाया अतिक्रमण- सुशासन तिहार के तहत नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा पुरैना में तीन वार्डो के लिए शिविर लगाया गया। शिविर में नाली के ऊपर अतिक्रमण करने की शिकायत मिली थी। निगम आयुक्त ने उसे तत्काल निराकरण करते कब्जा मुक्त कराया। समाधान शिविर में निगम के 12 स्टाल के अलावा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, विद्युत, लोक निर्माण वन, खाद्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। निगम द्वारा पेयजल की कमी को पूर्ती करने तीन हैण्ड पंप की मरम्मत और चार पेयजल पाइप लाइन लिकेज को ठीक किया। **इन्हें दिया राशन कार्ड**- सुशासन तिहार के तहत कुछ हितग्राहियों ने राशन कार्ड बनाने की मांग की थी। पुरैना शिविर में अतिथियों ने पुरैना के नेहा खान, गणेशी, रत्ना पटेल, राजेश्वरी व गुड्डी गुप्ता का राशन कार्ड वितरण किया गया। **65 में से 64 आवेदन का निराकरण**- पुरैना के तीन वार्ड में नागरिकों ने प्रथम चरण में कुल 65 आवेदन समाधान पेटी में डाला था। स्कूटनी के बाद निगम ने 64 आवेदनों का निराकरण किया। इसी तरह आज शिविर में कुल 312 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 303 मांग और 09 शिकायत के आवेदन शामिल है। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में 32 मांग व 01 शियकायत आवेदन का मौके पर ही निराकरण किया गया।

सुशासन तिहार 2025 के तहत समाधान शिविर में तत्काल हुआ राशन कार्ड व श्रम कार्ड निराकरण

विधायक ने आयुक्त साथ सुशासन के समाधान शिविर में लाभान्वित हितग्राहियों को वितरण किये प्रमाण पत्र

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंर्तगत आज शासकीय कामकाज में पारदर्शिता तथा योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सुशासन तिहार 2025 के तृतीया चरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन आज सुशासन तिहार के तहत मिले आवेदनों का समाधान करने शासकीय तिलक कन्या स्कूल में शिविर में लगाया गया।इस अवसर पर विधायक गजेंद्र यादव,कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के स्टॉल में निरीक्षण कर अवलोकन कर समस्यों के निराकरण प्रकरणों की जानकारी। इस अवसर पर विधायक गजेंद्र यादव ने आयुक्त सुमित अग्रवाल,एमआईसी सदस्य काशीराम कोसरे और पार्षदो के साथ समाधान शिविर में लाभान्वित हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

इस क्रम में आवेदन लेकर शिविर में पहुँचे हितग्राहियों का राशन कार्ड,श्रम कार्ड सहित अन्य प्रमाण पत्र का आवदेन दिया तत्काल श्रम कार्ड,राशन कार्ड व अन्य प्रमाण पत्र बनाकर दिया गया।प्रमाण पत्र मिलने से खुश होकर कहा मुझे निगम कार्यालय जाने की जरूरत ही नही पड़ी, समाधान शिविर में आवेदन करते ही प्रमाण पत्र बनाकर प्रदान किया गया। लाभान्वित हितग्राहियों ने समाधान शिविर के जरिये प्रदेश के मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया।

बता दे कि सुशासन के समाधान शिविर में नगर निगम दुर्ग आज के सम्बंधित वार्ड के कुल आवेदन 408,निराकृत 359 शेष 49 के अलावा स्वास्थ्य विभाग मुख्य चिकित्सलय आवेदन 8 निराकृत 8,महिला बाल विकास कुल प्राप्त आवेदन 20 निराकरण 20 किया गया। पशुधन विकास विभाग निरंक,आदिमजाति विकास विभाग निरंक,श्रम विभाग प्राप्त आवेदन 25 निराकृत 25,इसके अलावा समाज कल्याण विभाग प्राप्त आवेदन 4 निराकृत 4,कृषि विभाग आवदेन 1 निराकृत 1 सहित आबकारी विभाग प्राप्त आवेदन 2 वार्ड 56 बघेरा निराकृत 2,लोक निर्माण विभाग,उपसंभाग क्रमांक 1 दुर्ग प्राप्त आवेदन 71 निराकृत 71 किया गया।

भिलाई-चरौदा निगम करने जा रहा सुशासन तिहार कार्यक्रम के तीसरे चरण का आयोजन

चरौदा (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई-चरौदा द्वारा छ0ग0 शासन से प्राप्त निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन दुर्ग के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम चरण में दिनांक 08 अप्रैल से 11 अप्रैल के मध्य निगम कार्यालय में लगाए गए सुशासन तिहार शिविर में लोगों की समस्याओं से जुड़े आवेदनों को स्वीकार करने की कार्यवाही की गयी। इसके बाद प्राप्त आवेदनों में से मांग और शिकायत के विभागवार आवेदनों का निराकरण करने की कार्यवाही करते हुए आवेदकों को सूचित किया गया।अब तीसरे चरण में समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों को समाधान शिविरों में विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। वार्ड क्रमांक-01 से 06 वार्ड के लिए दिनांक 07-05-2025 को समय 10 बजे से शाम 5.00 बजे तक सामुदायिक भवन उमदा में समाधान शिविर आयोजित किया जायेगा। वही दुसरा समाधान शिविर का आयोजन वार्ड क्रमांक-07 से वार्ड क्रमांक-18 के लिए दिनांक 14-05-2025 को मंगल भवन भिलाई-03 में किया जायेगा। वार्ड क्रमांक-19 से 29 के लिए तीसरा समाधान शिविर सामुदायिक भवन चरौदा में दिनांक 21-05-2025 को आयोजित होगा।तथा चौथा एवं आखिरी समाधान शिविर वार्ड-30 से लेकर वार्ड 40 के लिए दिनांक 28-05-2025 को सामुदायिक भवन सोमनी में आयोजित रहेगा।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा **कालोनी बोरियाकला, जिला रायपुर,** में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित **फ्लैट क्र. एल.आई.जी -460, ब्लॉक 29 द्वितीय तल, श्रीमती रूमा सेन गुप्ता पति श्री सौरभ सेन गुप्ता निवासी:- एम.आई.जी डी-15, शैलेन्द्र नगर रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन **आदेश क्र. 2321 दिनांक 03.06.2010** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 17.03.2011** को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत **पत्र क्रमांक 3702 दिनांक 28.05.2012** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। मूल आंबटी **श्रीमती रूमा सेन गुप्ता पति श्री सौरभ सेन गुप्ता,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती मलीना पति श्री संजय निवासी:- वार्ड नं.-23, आलमगंज धनपुरी, धनपुरी, शहडोल, (म.प्र.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20593/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 03-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20593
वार्ड का नाम- 02- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I00036** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR.SAYYED MOINUL HAQUE S/O M.D. DIL MOHAMMAD , ZAHIDA HAQUE W/O DR.SAYYED MOINUL HAQUE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR.SAYYED MOINUL HAQUE S/O M.D. DIL MOHAMMAD , ZAHIDA HAQUE W/O DR.SAYYED MOINUL HAQUE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RELIABLE ISPAT UDYOG 1 ROSHAN NAVAL KISHOR JHA S/O NAVALKISHOR JHA 2 SANU KUMAR SINGH S/O NARAYAN SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RELIABLE ISPAT UDYOG 1 ROSHAN NAVAL KISHOR JHA S/O NAVALKISHOR JHA 2 SANU KUMAR SINGH S/O NARAYAN SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी नजूल एम.पी. नगर वृत्त भोपाल

प्रकरण क्रमांक-0081/31-6-31/2024-25

श्रीमती रेखा जैन पत्नी श्री जे.वी.जैन एवं श्री जे.वी. जैन पुत्र श्री आर.के. जैन
निवासी मोहनी कॉम्प्लैक्स भोपाल आवेदक

विरुद्ध

मध्यप्रदेश शासन....................................अनावेदक

// सूचना पत्र //

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि **श्री प्रेमशंकर झा पिता श्री अभय शंकर झा निवासी-एफ-एच-2 बी-131 एन.टी.पी.सी. टाउन शिप जमनीपाली कोरबा छत्तीसगढ़** एतद् द्वारा आपको इस दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आवेदकगण **श्रीमती रेखा जैन पत्नी श्री जे.वी. जैन एवं श्री जे.वी.जैन पुत्र श्री आर.के. जैन निवासी मोहनी कॉम्प्लैक्स भोपाल** के द्वारा **ग्राम बरखेड़ा पठानी** स्थित भूमि **खसरा क्रमांक 298/ड (एस), 300, 301, 302, 304, 305/ड** है जिसकी बटान दुरूस्त कर कम्प्यूटर, नक्शे, एवं खसरे में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त प्रकरण में अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय में नियत **दिनांक- 13-05-2025** को आप स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कर अपील का निराकरण किया जावेगा। यह सूचना पत्र आज **दिनांक 02.05.2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
नजूल एम.पी. नगर वृत्त भोपाल

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) रायपुर, जिला-रायपुर छ0ग0

// सूचना //

क्रमांक 747/का.से / अविअ/2025 — **रायपुर, दिनाक 30/05/2025**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं. कि आवेदक मेसर्स श्री जी डेवलेपर्स एण्ड मार्केटिंग द्वारा भागीदार श्री राधयेन्द्र प्रसाद पाण्डेय पिता श्री कृष्णकांत पाण्डेय निवासी सी-18, शैलेन्द्रनगर रायपुर छ0ग0 को ग्राम दत्तरेंगा प0ह0नं0 84 तहसील रायपुर स्थित भूमि राजस्व अभिलेख के अनुसार खसरा नंबर-15019/1 (150/43 रकबा 0.089 हैं0. 150/44 रकबा 0.142 हैं0, 150/46 रकबा 0.101 हे0, 184/6 रकबा 0.040 हैं0, 184/7 रकबा 0.202 हैं0, 184/8 रकबा 0.210 हैं0, 185/2 रकबा 0.202 है0, 185/4. रकबा 0.202 हैं0, 185/5 रकबा 0.203 है0 186/1 रकबा 0.233 हे0, 186/2, रकबा 0.237 20, 185/20 रकबा 0.304 हैं0) कुल रकबा 2.1288 हैं0 भूमि पर कालोनी विकास की अनुमति विहित शर्तो के अधीन प्रदाय किया गया है।

छ.ग. पंचायत राज अधिनियम 1993 के नियम 12 (एक) अध्यधीन रहते हुए कालोनी के विकास कार्य पूर्ण होते संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश रायपुर द्वारा स्वीकृत अभिन्यास के अनुसार निम्नानुसार भूखंड को बंधक रखा जाता है-

क्र.	भूखंड क्रमांक	भूखंड एरिया	क्र.	भूखंड क्रमांक	भूखंड एरिया
1	01	51.25	13	40	128.00
2	08	46.50	14	51	142.50
3	09	69.50	15	52	127.50
4	16	76.00	16	58	78.50
5	17	87.00	17	59	155.50
6	24	96.00	18	72	55.00
7	25	97.00	19	73	55.00
8	26	109.00	20	74	55.00
9	27	116.00	21	75	55.00
10	28	124:00	22	76	53.00
11	37	42:00	23	77	53.00
12	39	164.50	24	78	54.00
		कुल योग-		24 भूखंड	2190.75

कार्यालय सयुक्त संचालक ग्राम तथा नगर निवेश कार्यालय रायपुर के पत्र क्रमांक 473 नग्रानि/धारा-16/**CGAWAAS**/2022/00128 / 2023 रायपुर **दिनांक 16.02.2023** में ग्राम दतरेगा प0ह00 49 तहसील रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 15019/1 (ख.न. 184/7. 184/6, 150/43) का भाग रकबा 3191.28 वर्गमीटर समाज के कमजोर आय वर्ग हेतु आरक्षित रखा गया है।

उपरोक्त भूखंडों का सक्षम प्राधिकारी के अनुमति/अनापत्ति के बिना किये गये कम/विकय अवैध / शून्य माना जावेगा ।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा0) रायपुर छ0 ग0

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20672/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20672
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567H00461** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **HARSHITA THARWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL THARWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती DILESHWARI BISEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVENDRA BISEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20667/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20667
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567J0261J** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती DEVI DAYAL SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UDAY NARAYAN SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती MAMTA SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRADHUMAN SONKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./ 20674/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20674
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567B00618** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती ANAND SOLANKI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHYAM SUNDER SOLANKI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती TANU CHANDRWANSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAMOD KUMAR CHANDWANSHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20671/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20671
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569B00811** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती HARISH GUPTA SWATI GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **OMKARNATH GUPTA HARISH** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती VINEETA PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANURAG PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20670/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20670
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR759A00030** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती CHUNNI LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHAITU RAM BHOI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1. MADHURI BHOI W/O DOMAR SINGH BHOI 2. GANGA AUSAR W/O SADASHIV AUSAR 3. GAYATRI SAINIK W/O SANJAY KUMAR SAINIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20669/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20669
वार्ड का नाम-66-वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664E0020A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती LALIT KUMAR DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHUVAN LAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1. RADHA SHARMA W/O LATE. LALIT SHARMA 2. ROSHANI SHARMA S/O LATE. LALIT SHARMA 3. SOURABH SHARMA S/O LATE. LALIT SHARMA 4. SAMEER SHARMA S/O LATE. LALIT SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./ 20668/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20668
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567C0194A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती TIKARAM NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUDHURAM NISHAD** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती SOHADRA VASUDEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NATTHU LAL VASUDEV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अटल आवास योजनांतर्गत **मुनगी फेस-01** जिला-रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक-455, श्री पदुमनाथ देवांगन पिता स्व. श्री धनसाय देवांगन,** के नाम पर आंबटित है। उक्त आंबटी **श्री पदुमनाथ** देवांगन की मृत्यु **दिनांक 03.04.2019** को हो जाने के कारण उक्त आंबटी के उत्तराधिकारी सुपुत्र **श्री दिलीप कुमार देवांगन पिता स्व. श्री पदुमनाथ देवांगन, निवासी:-ग्राम मुनगी पोस्ट चदंखुरी, तहसील मंदिर हसौद जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर नामांतरण करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य उताराधिकारी का सहमति पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 06 मई 2025

नगर निगम साधारण सभा की बैठक में ''वन नेशन-वन इलेक्शन'' का प्रस्ताव पास

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला नगर पालिक निगम साधारण सम्मलेन को नवनिर्मित पंडित जवाहर लाल नेहरू सभागार में आयोजित किया गया। सम्मलेन के कामकाज की कार्यसूची एमआईसी द्वारा पारित प्रस्ताव की पुष्टि के लिए प्रकरण सामान्य सभा में प्रस्तुत की गयी। ''वन नेशन-वन इलेक्शन'' (''एक राष्ट्र-एक चुनाव'') विषय पर समर्थन प्रस्ताव के संबंध में चर्चा हुई। नगर पालिक निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक 15 अप्रैल को महापौर संजूदेवी राजपूत की अनुमति से हितानंद अग्रवाल प्रभारी सदस्य लोक कर्म विभाग एवं अजय कुमार चन्द्रा प्रभारी सदस्य अग्नि शमन विद्युत संधारण मेयर इन काउंसिल नगर पालिक निगम के द्वारा ''वन नेशन-वन इलेक्शन'' (''एक राष्ट्र-एक चुनाव'') के समर्थन पर मेयर इन काउंसिल में चर्चा व निर्णय का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव रखते हुए सदस्य द्वय ने कहा कि ''वन नेशन-वन इलेक्शन'' (''एक राष्ट्र-एक चुनाव'') का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करना है, ताकि समय, संसाधन और प्रशासनिक खर्चों की बचत हो सके। देश के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे। उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि बार-बार चुनाव कराने में भारी प्रशासनिक खर्च व संसाधनों की बर्बादी होती है। एक साथ चुनाव कराने से चुनाव खर्च में भारी कमी आएगी। वहीं चुनावों के कारण बार-बार प्रभावशील होने वाली आदर्श आचरण संहिता के फलस्वरूप विकास कार्यों की निरंतरों में उपस्थित होने वाले अनावश्यक अवरोध भी समाप्त होगे। देश के विकास व राष्ट्र की प्रगति में तेजी आएगी। प्रस्ताव पर उपस्थित सदस्यों ने विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि ''वन नेशन-वन इलेक्शन'' (''एक राष्ट्र-एक चुनाव'') की अवधारणा निश्चित रूप से राष्ट्रहित में है तथा अत्यंत महत्वपूर्ण व स्वागतेय पहल है। सदस्यों ने कहा कि नगर पालिक निगम कोरबा के निर्वाचित सदस्यों (पार्षदों) का भी इस महत्वपूर्ण विषय पर समर्थन प्राप्त किया जाए। उक्त विषय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं राष्ट्र हित से जुड़ा हुआ विषय है। सम्मेलन आहूत कर सदस्यों का समर्थन प्राप्त किया जाए तथा पारित समर्थन संकल्प को यथा उचित मंच को प्रेषित किया जाए। समर्थन के लिए साधारण सम्मिलन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा पूर्ववर्ती विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण वर्तमान में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विभिन्न योजनांतर्गत लीज पर आबंटित भूखण्डों के भू-भाटक में वृद्धि के संबंध में चर्चा की गई। नगर पालिक निगम के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संपत्तिकर संशोधित संकल्प पारित करने पर चर्चा हुई। नगर पालिक निगम के वार्ड समितियों के गठन के संबंध में चर्चा की गई। मेयर इन काउंसिल द्वारा पारित वित्तीय प्रस्ताव की सूचना दी गई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरान घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिससे पूरे राष्ट्र में गुस्से और शोक की लहर फैल गई। इस हमले के विरोध में कोरबा नगर निगम ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव पार्षद अब्दुल रहमान के द्वारा उठाए गए मुद्दे पर आधारित था, जिन्होंने सदन में पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को संरक्षण देने की गंभीरता से निंदा की। पार्षद रहमान का पत्र कोरबा नगर निगम के सदन में चर्चा का कारण बना, और इस पर महापौर संजू देवी राजपूत समेत सभी 63 पार्षदों ने एकजुट होकर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए केंद्र सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की।

आत्मरक्षा एवं फिटनेस हेतु किकबॉक्सिंग खेल जरूरी-महापौर संजू देवी राजपूत

महापौर संजू देवी राजपूत ने किया सफल किकबाक्सर्स को पुरस्कृत

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा सी एम ए किकबॉक्सिंग एकेडमी में अभ्यासरत किकबॉक्सिंग खिलाड़ियों की दक्षता परीक्षा का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा ने बताया कि समय समय पर खिलाड़ियों की दक्षता परीक्षण हेतु ग्रेडिंग सिस्टम के आधार पर उनकी प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा लेकर उन्हें योग्यतानुसार बेल्ट प्रदाय कर ग्रेड दिया जाता है। इसी तारतम्य में एकेडमी में ग्रेडिंग कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें अलग-अलग आयु वर्ग के बालक-बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिले की प्रथम नागरिक महापौर नगर पालिक निगम कोरबा श्रीमती संजू देवी राजपूत ने परीक्षा में सफल सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं कलर बेल्ट से सम्मानित किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी आवश्यक है, स्वस्थ तन और मन से राष्ट्र निर्माण होगा, इसके लिए आवश्यक है खेलो में भी रुचि ले। किकबॉक्सिंग खेल से आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही विकट परिस्थिति में आत्मरक्षा हेतु भी किकबॉक्सिंग खेल का प्रशिक्षण बहुत कारगर है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्रीमती रूक्मणी नायर, कविता सोनी, दीपक सिंह ने भी किकबाक्सर्स का उत्साहवर्धन किया। उपस्थित फिजिक्स वाला इंस्टीट्यूट के अतुल सिंह, गजेन्द्र चंद्रा, शुभेंद्र, आशीष यादव ने वरिष्ठ खिलाड़ीयो को सम्मानित किया। इस अवसर पर सी एम ए किकबॉक्सिंग एकेडमी की संचालिका प्रीति मिश्रा, वरिष्ठ खिलाड़ी एवं प्रशिक्षकगण जुनैद आलम, प्रभात साहू, अशोक साहू, अंकुश लाल यादव, लोकिता चैहान, शुभम यादव, मयंक डडसेना सहित खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

श्रमिक दिवस पर ट्रेड यूनियन ने किया मरीजों को फल वितरण

कोरबा(विश्व परिवार)। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के शुभ अवसर पर जिला ट्रेड यूनियन कांउसिल, कोरबा द्वारा सम्मान स्वरूप फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पार्षद एवं भाजयूमो जिलामहामंत्री नरेंद्र देवांगन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर कोरबा स्थित इंदिरा गांधी सौ सैया अस्पताल में मरीजों को हालचाल पूछ फल वितरित कर श्रमिक दिवस को बड़े ही उल्लास और स्नेह के साथ मनाया गया। नरेंद्र देवांगन ने मरीजों और अस्पताल के श्रमिकों का उत्साहवर्धन किया तथा स्वयं फल वितरण कर उनके समर्पण और सेवाभाव को नमन किया। श्री देवांगन ने कहा, श्रमिक राष्ट्र निर्माण के मौन शिल्पी हैं। उनका परिश्रम हमारे समाज और अर्थव्यवस्था की नींव है। ऐसे अवसरों पर उन्हें सम्मान देना हम सभी का कर्तव्य है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। कार्यक्रम में कोरबा मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. कमल किशोर सहारे, विधायक प्रतिनिधि कपूर चंद पटेल ,जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष प्यारे लाल चैधरी, प्रवक्ता आर.के. पांडेय, संरक्षक रामाधार पटेल, मोहन सिंह प्रधान, हरीश चंद्र निषाद , नोहर चंद्रा , डहरु राम कुर्रे , विजय मिरि जी, दुजराम मिलन , आर पी खांडे, बालकरण सहित अस्पताल में कार्यरत समस्त श्रमिक एवं जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल के सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्य उपस्थित रहे।इस अवसर पर मरीजों और अस्पताल के श्रमिकों को फल वितरण कर उनका हालचाल जाना गया तथा सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना भगवान से की गई।

जिले के निवर्तमान कलेक्टर आकाश छिकारा को दी गई भावपूर्ण विदाई

जांजगीर-चांपा(विश्व परिवार)। जिले के निवर्तमान कलेक्टर आकाश छिकारा के उप सचिव,आवास एवं पर्यावरण विभाग, अतिरिक्त प्रभार मुख्य कार्यापालन अधिकारी, रायपुर विकास प्रधिकरण के पद पर स्थानांतरण होने पर आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई तथा निवर्तमान कलेक्टर श्री छिकारा को नये दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अधिकारियों ने निवर्तमान कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के कार्यकाल के दौरान अपने कार्य अनुभवों को साझा किया। निवर्तमान कलेक्टर श्री छिकारा ने कहा कि जांजगीर-चांपा में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का बहुत अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने कहा सभी अधिकारी-कर्मचारी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। जिले की लक्ष्य प्राप्ति, उपलब्धि में आप सभी का सहयोग रहा है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निवर्तमान कलेक्टर श्री आकाश छिकारा को जिला प्रशासन की ओर से शाल श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर नवपदस्थ कलेक्टर जन्मेजय महोबे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बायो डायवर्सिटी पार्क में तितलियों का किया जा रहा संरक्षण

तितलियों की संख्या में और इजाफा होने जताई जा रही उम्मीद

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा औद्योगिक नगरी के रूप में जाना जाता है, लेकिन कोरबा अपने आंचल में प्रकृति के अद्भुत खजाने को भी समेटे हुए है। पूर्वी और पश्चिमी घाटों के बीच बसे मैकल रेंज की पहाडियों से घिरा यह क्षेत्र मध्य भारत की समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक है। यहां न केवल वे प्रजातियां पाई जाती हैं जो मध्य भारत में आम हैं, बल्कि कुछ ऐसी दुर्लभ प्रजातियां भी मिलती हैं जो पूर्वी और पश्चिमी घाटों में ही पाई जाती हैं। पुटका पहाड़ के किनारे केसला में बन रहा बायो डायवर्सिटी पार्क इस विशेषता को और भी उजागर करता है। यहां हिमालय की तराई में पाई जाने वाली तितलियां भी मिली हैं, जिससे पता चलता है कि यह क्षेत्र विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों का मिलन बिंदु है। कोरबा वन विभाग द्वारा केसला में बनाया जा रहा बायो डायवर्सिटी पार्क तितलियों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहां तितलियों की 40 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें बार्न, बैरनेट, नाविक, तावी कोस्टर, ग्रे काउंट, पैंसी, कमांडर लेपर्ड, और ग्रास यलो जैसी खूबसूरत प्रजातियां शामिल हैं। विभाग का मानना है कि सुरक्षित वातावरण मिलने पर यहां तितलियों की संख्या में और भी वृद्धि होगी। कोरबा के जंगल में जैव विविधता की कोई कमी नहीं है। चैतुरगढ़, महादेव पहाड़, और कोसगाई पहाड़ जैसे क्षेत्रों में जंगली जानवर स्वतंत्र रूप से घूमते हैं। यहां किंग कोबरा, ऊदबिलाव, विभिन्न प्रकार की छिपकलियां, हनी बेजर, पेंगोलिन जैसे दुर्लभ जीव पाए जाते हैं। इन वन्यजीवों को रहने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने वाली वनस्पतियां भी यहां प्रचुर मात्रा में मौजूद है।

जल संरक्षण की नई पहल जल जागृति जशपुर - पद्मश्री जागेश्वर यादव

जशपुर(विश्व परिवार)। जल जागृति जशपुर के अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम के 32वें दिन का आयोजन जनपद पंचायत बगीचा के ग्राम पंचायत भितघरा में किया गया। वाटर हीरो नीरज वानखड़े ने उपस्थित लोगों को विभिन्न मॉडल्स के माध्यम से जल संरक्षण के उपायों को समझाया। विभिन्न खेल गतिविधियों के द्वारा जल बचाने के लिए लोगो से आग्रह किया। उपस्थित लोगों से संवाद के माध्यम से जल बचाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रत्यक्ष संवाद व लोगों की भागीदारी तथा विभिन्न गतिविधियां के माध्यम से रोचक जानकारी देते हुए जल संरक्षण के महत्व को सरल तरीके से विस्तृत रूप से समझाया। पद्मश्री जागेश्वर यादव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा जल जागृति जशपुर अंतर्गत 32 दिवसीय जल जागरूकता कार्यक्रम पानी बचाने हेतु जिला प्रशासन की नई पहल है। आज का यह कार्यक्रम जल जागृति का समापन कार्यक्रम नहीं अपितु जल बचाने की शुरुवात का दिन है। अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि अपने भविष्य के लिए पानी बचाए। प्रकृति निस्वार्थ भाव से हमें अपने अनमोल धरोहर देती है पर हम सभी अपने अपने स्वार्थ के अनुरूप इसका दोहन कर रहे है पानी इसमें सबसे महत्वपूर्ण है, जिसके बिना इस पृथ्वी की कल्पना भी नहीं की जा सकती है,इसलिए यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम जल और प्रकृति की रक्षा करे। जागरूकता अभियान के माध्यम से जल संरक्षण हेतु प्रशासन ने पहल की है अब हम सभी को मिलकर इसे आगे ले जाना है और जशपुर में जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना है।जल बचाने की शुरुवात हमे अपने घर से करना चाहिए। जल आज की बहुत बड़ी आवश्यकता है, आने वाली पीढ़ी के लिए हमें अधिक से अधिक जल बचाना जरूरी है। श्रीमती मोनिका टोप्पो जिला पंचायत सदस्य और अरविंद गुप्ता जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ने सभी से जल बचाने का आह्वान किया उपस्थित लोगों को जल बचाने और वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित करते हुए सभी को जल संरक्षण के लिए आगे आने हेतु कहा। जल हमारे जीवन के लिए अभिन्न अंग है। अगर हमें अपने भावी पीढ़ी के लिए जल बचाना है तो हमें अभी से जल बचाना होगा। ये केवल एक व्यक्ति से संभव नहीं है हम सभी को मिलकर सम्मिलित प्रयास से जल बचाना है।जल बचाने की शुरुआत हमे अपने घर से करना है। कार्यक्रम में पद्मश्री जागेश्वर यादव, मोनिका टोप्पो जिला पंचायत सदस्य, अरविंद गुप्ता उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बगीचा, शांति नन्दन तिर्की, दीपक एक्का व भारत गुप्ता जनपद सदस्य बगीचा, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत जशपुर, अनुविभागीय अधिकारी ग्रायांसे, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी बगीचा, डिप्टी रेंजर वन विभाग, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, जनपद पंचायत बगीचा, सहायक विकास विस्तार अधिकारी एन आर एल एम बगीचा, विभिन्न ग्राम पंचायतों भितघरा, टांगरडीह, गुरमहाकोना, कुटमा, सुतरी, रेंगले, जुरुडांड, कलिया, बुटंगा, साहीडांड, सरबकोंबो, पंडरीपानी, रनपुर, कुदमुरा, करमा, तंबाकछार, रमसमा, बच्छराव, गायलूंगा के सरपंच, सचिव, पंच, रोजगार सहायक, स्व सहायता समूह की दीदियां, आसपास के गांवों के 1000 से अधिक संख्या में ग्रामीणजन व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तनाव से दूर रहने रोज व्यायाम करने किया जागरूक

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा-पश्चिम शक्ति नगर दीपका के बीकन स्कूल के छात्रों ने जीवन में तनाव से दूर रहने रोज सुबह व्यायाम करने का संदेश दिया। इसके अंतर्गत नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी दी, जिससे छात्रों ने तनाव कम करने के विभिन्न कारको को सामने रखा। नुक्कड़ नाटक के सफल व प्रभावशाली चित्रण छात्रों ने विद्यालय के शिक्षक चित्रण कुमारी, स्वाति राजवाड़े, ज्योति लहरे, विनय शर्मा, मीना शशि व तुरूण कुमार के मार्गदर्शन में किया। दीपका के सार्वजनिक स्थल पर छात्रों की यह प्रस्तुति शारीरिक व मानसिक तनाव और विभिन्न सामाजिक प्रभावों से था। प्राचार्य नूर मसीह ने कहा कि इसी क्रम में आगामी कार्य दिवसों में समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता के प्रचार के लिए हरदी बाजार व बाकीमोंगरा में भी नुक्कड़ नाटक का सफल आयोजन किया जाएगा जिसमें समाज के ज्वलंत मुद्दों को लोगों के समक्ष पेश करेंगे।

जल संरक्षण सप्ताह मनाया गया

कोरबा(विश्व परिवार)। गवर्नमेंट हाई स्कूल बुंदेली में जल संरक्षण सप्ताह मनाया गया। इसके तहत छात्र-छात्राओं के बीच रंगोली, मेहंदी, निबंध, चित्रकला, संगोष्ठी का आयोजन करने के साथ ही सोख्ता गड्?ढा का जीर्णोद्धार कराया गया। विद्यालय के छात्रों ने जल श्रोत का अध्ययन करने के लिए ग्राम दईहानभा?ठा में स्थित स्टाप डैम का भ्रमण किया। इस दौरान हाई स्कूल व मिडिल स्कूल बुंदेली के छात्र-छात्राएं भ्रमण में शामिल रहे। इन छात्र-छात्राओं को जल संरक्षण की जानकारी इको क्लब की प्रभारी योगिता कंवर ने दी। उन्होंने बताया कि घर में जल रिसाव को ठीक करें। आवश्यकता अनुसार पानी का उपयोग करें। प्राचार्य अनीता ओहरी ने कहा कि जल का उपयोग कम करने से घरों, व्यवसायों, खेतों और समुदायों तक जल पहुंचाने और उसे तैयार करने के लिए आवश्यक ऊर्जा कम हो जाती है। जिससे प्रदूषण कम करने और ईंधन संसाधनों को संरक्षित करने में मदद मिलती है। जल संरक्षण सप्ताह के समापन पर उप सरपंच संजय कोशले, प्राथमिक शाला दईहानभा?ठा के प्रधान पाठक दुबराज राठिया, शिक्षक भरत लाल यादव, गीता शर्मा, प्रतिभा सहारे, पुष्पा शांडिल्य, वंदना राठौर, प्रभा साहू, चंद्रिका साहू, पुष्पा पांडेय आदि सहित अन्य उपस्थित रहे।

नौकर ने किया पांच साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म

सूरजपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में महज पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि घर में काम करने वाले नौकर ने ही यह दरिंदगी की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला भटगांव थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी नौकर का नाम रामकुमार सिंह, जो बच्ची के घर में काम कर रहा था। वह खिलाने के बहाने घर के एक दूसरे कमरे में बच्ची को लेकर गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद मासूम बच्ची की इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके बाद परिजनों ने तुरंत भटगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज कियावहीं मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फरार आरोपी रामकुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी को भी घर में नौकर रखने से पहले उसका पुलिस वेरिफिक्रेशन जरूर कराएं।

सिग्नल देने में चूक: मेमू सवारी ट्रेन गेवरा स्टेशन की बजाय कोयला साइडिंग में घुसी

कोरबा(विश्व परिवार)। बिलासपुर से यात्रियों को ले कर आ रही मेमू ट्रेन शनिवार को कोरबा से रवाना हो कर गेवरा रोड स्टेशन की बजाय एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र की न्यू कुसमुंडा रेलवे साइडिंग में जा पहुंची। यह तो अच्छा हुआ कि लोको पायलट सतर्क था और उसने मेमू सवारी गाड़ी को सही समय पर रोक लिया। इस बीच यात्री भी सहम से गए।रेल प्रबंधन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। बताया जा रहा है कि सिग्नल देने में चूक के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार सुबह दस बजे की मेमू लोकल बिलासपुर से छूटकर सुबह करीब साढ़े 11 बजे कोरबा पहुंचती है और कोरबा से गेवरा के लिए रवाना होती। यही ट्रेन गेवरा से एक बजकर दस मिनट पर छूटकर कोरबा आती है और कोरबा से दोपहर डेढ़ बजे बिलासपुर के लिए रवाना होती है। शनिवार की सुबह जब यह ट्रेन कोरबा से गेवरारोड रेलवे स्टेशन के लिए निकली, तो गेवरा स्टेशन की बजाय कमका साइडिंग (न्यू कुसमुंडा कोल लोडिंग प्वाइंट) में घुस गई। कोरबा व गेवरा स्टेशन के बीच न्यू कुसमुंडा साइडिंग को ही कमका साइडिंग कहा जाता है, जहां कुल 11 रेल लाइन है, जहाँ सेलो के माध्यम से मालगाड़ियों में कोयला लदान होता है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर मंगलवार 06 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

राहुल गांधी को फटकार

न्यायपालिका से अपेक्षा उदात्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप व्यवस्था देने की होती है, ताकि समाज उत्तरोत्तर लोकतांत्रिक होने की ओर अग्रसर हो सके। उससे अपेक्षा उसूलों की संकुचित परिभाषा करने की कोशिशों पर रोक लगाने की होती है। विनायक दामोदर सावरकर के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो दायरा तय किया है, वह परेशानी का शबब है। इसलिए नहीं कि कांग्रेस नेता ने जो टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की थी, वह उचित है। उस बारे में अंतिम निर्णय तो अभी न्यायालय में विचाराधीन है। मगर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन ने जो कहा, उसका अर्थ है कि स्वतंत्रता सेनानी आलोचना से ऊपर है, भले उनके कुल योगदान के बारे में कुछ असहज करने वाले तथ्य या उनकी भूमिका के बारे में असहमत विश्लेषण मौजूद हों। खुद सर्वोच्च न्यायालय अतीत में कई विवादास्पद किताबों, फिल्मों और बयानों के सही या गलत होने संबंधी राय जताए बिना यह व्यवस्था दे चुका है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के व्यापक दायरे में आता है। लेकिन अब उसने जो कहा है, उससे यह दायरा संकुचित हुआ है। इससे उस विवेकहीनता को बल मिलेगा, जो देश के राजनीतिक विमर्श पर हावी होता गया है। इससे उस माहौल को तर्क मिलेगा, जिसे फैलाने में तमाम राजनेताओं ने भूमिका निभाई है। इसकी मिसाल कुछ महीने पहले देखने को मिली, जब डॉ. अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की एक साधारण-सी टिप्पणी को लेकर विपक्ष ने कई दिन तक संसद नहीं चलने दी। उस टिप्पणी से अंबेडकर का अपमान हुआ है और इसके लिए शाह को माफी मांगनी होगी, यह तर्क देने वालों में तब राहुल गांधी भी थे। इस बिंदु पर यह रेखांकित करने की जरूरत है कि मान-अपमान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दों पर नजरिया अलग-अलग पक्षों की सुविधा के अनुसार तय नहीं हो सकता। बहरहाल, यह अफसोसनाक है कि राजनीतिक रुख और सामाजिक विमर्श में तय किए जाने वाले पैमानों से अब न्यायपालिका भी प्रभावित होती दिख रही है। जबकि उससे अपेक्षा संवैधानिक एवं उदात्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप व्यवस्था देने की होती है, ताकि समाज उत्तरोत्तर लोकतांत्रिक होने की ओर अग्रसर हो सके।

भारत में बढ़ रही चीनी भाषा की प्रासंगिकता

उमेश चतुर्वेदी

कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं। बीते बीस अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र में चीनी भाषा दिवस मनाया गया। यूनेस्को के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा चीनी या मंदारिन ही है। इसे चीन के अलावा ताइवान, सिंगापुर, मलयेशिया, थाइलैंड, ब्रुनई, इंडोनेशिया और फिलीपिंस में भी इसका व्यवहार हो रहा है। मंदारिन को लेकर भाषा विज्ञानियों में मान्यता है कि यह कठिन भाषा है। हालांकि चीनी भाषाविदों ने इसे पिछली सदी के सत्तर के दशक से ही सहज बनाने की दिशा में बड़ा काम किया है। इसलिए यह पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा सहज हो गई है। इसलिए दुनियाभर में इसे सहज रूप से इसे स्वीकार भी किया जाने लगा है। जहां तक भारत का सवाल है तो चीन के साथ सीमाओं पर जारी तनातनी के चलते चीनी भाषा की पढ़ाई और जानकारी के लिए भारत में भी क्रेज बढ़ रहा है। गलवान में भारत-चीनी सैनिकों के संघर्ष के बाद चीनी सीमा पर तैनात सैनिकों को चीनी भाषा की जानकारी और शिक्षा देने की कोशिशें हो रही हैं। बेशक भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी चीन है, लेकिन उसकी भाषा और हमारी भाषाओं के बीच संबंधों की कोई सहज कडी नजर नहीं आती। इसलिए इस भाषा को सीखना थोड़ा कठिन होता है। चीन की भाषा को मंदारिन कहते हैं और मंदारिन का शाब्दिक अर्थ ही होता है, कठिन। इसलिए इस भाषा को सीखने के लिए विशेष प्रयास की जरूरत पड़ती है। मंदारिन में 21 व्यंजन और 16 स्वर होते हैं। इन ध्वनियों को मिलाकर लगभग 420 अलग-अलग शब्दांश बनाए जा सकते हैं। जहां तक मंदारिन में स्वरों की बात है तो इसमें चार स्वर होते हैं। ये चार स्वर - पहला स्वर, दूसरा स्वर, तीसरा स्वर, और चौथा स्वर ङ्क कहे जाते हैं। ये स्वर एक शब्दांश के उच्चारण में बदलाव करते हैं और अर्थ को बदल देते हैं। इसके अलावा, एक तटस्थ स्वर भी होता है, जिसे मंदारिन के भाषा विज्ञानी पाँचवाँ स्वर भी मानते हैं। चीनी भाषा में, अक्षर को हांजी कहा जाता है। ये अक्षर, अंग्रेजी वर्णमाला या हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की तरह नहीं हैं। प्रत्येक अक्षर एक शब्द या अर्थ के लिए एक प्रतीक है। चीनी भाषा में हज़ारों अक्षर हैं, लेकिन दैनिक उपयोग में छह हजार से लेकर आठ हजार अक्षरों का प्रयोग होता है। इतने स्वरों को याद रखना आसान नहीं है, इसीलिए मंदारिन को कठिन भाषा कहा जाता है। भारत में कई संस्थान चीनी भाषा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, लेकिन यहां के कई विश्वविद्यालयों मसलन दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, कुमार मंगलम विश्वविद्यालय, गुरूग्राम, पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वभारती, जामिया मिलिया इस्लामिया, सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ ही देहरादून के दून विश्वविद्यालय समेत कई विश्वविद्यालयों में चीनी भाषा की पढ़ाई होती है। लेकिन अब इसे चीनी सीमा से सटे राज्य उत्तराखंड के स्कूलों में भी पढ़ाया जाने लगा है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। जिसके तहत उत्तराखंड राज्य के पंद्रह सरकारी स्कूलों के 11 वीं और बारहवीं कक्षा के करीब ढाई सौ बच्चों को चीनी भाषा पढ़ाई जा रही है। इस पहल का मकसद स्कूली छात्रों को मंदारिन भाषा से लैस करना है। इसकी बड़ी वजह यह है कि वैश्विक बाजार में चीन की हिस्सेदारी बढ़ती चली गई है। इतना ही नहीं, चीन आज विश्व की नंबर दो आर्थिक महाशक्ति हो चुका है। इस वजह से चीनी संस्कृति और भाषा के साथ ही आर्थिकी की ओर दुनिया हाथ बढ़ा रही है। इसके लिए चीनी भाषा के कुशल लोगों की वैश्वक स्तर पर जरूरत बढ़ रही है। चीन की कंपनियों और बाजार से संपर्क अंग्रेजी के जरिए भले ही हो जाए,लेकिन वहां की असल जरूरत और समस्या को उसी की भाषा में ही समझा और जाना जा सकता है। इसीलिए चीनी भाषा को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता बढ़ी है। उत्तराखंड भी इसी वजह से अपने छात्रों को चीनी भाषा सिखा रहा है। उत्तराखंड राज्य के पीएमश्री विद्यालयों में जारी इस परियोजना की नींव पौड़ी गढ़वाल के डीएम आशीष चौहान ने 2023 में रखी थी। बच्चों को मंदारिन पढ़ाने का विचार साल 2021 में तत्कालीन भारतीय सेनाओं के चीफ ऑफ स्टॉफ जनरल बिपिन रावत और दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल के बीच चर्चा के बाद आया था। दून विश्वविद्यालय के चीनी अध्ययन विभाग के अध्यक्ष शैंकी चंद्रा के अनुसार, अभी यह परियोजना ऑनलाइन चलाई जा रही है, क्योंकि विश्वविद्यालय के पास अभी फिजिकल क्लास के लिए जरूरी संसाधनों की कमी है। परियोजना के संचालकों के अनुसार, 'मंदारिन सीखने से वैश्विक स्तर पर नौकरी की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसकी वजह यह है कि चीन अब भी भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में एक है। बारहवीं पास कर चुके तीन छात्रों को मंदारिन की वजह से ही पिछले साल भारत के कुछ पड़ोसी देशों में ऊंचे वेतन पर नौकरियां मिल चुकीं हैं। वैसे भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ ही चीनी बाजार और कंपनियों के साथ काम करने वाली भारतीय कंपनियों में भी चीनी भाषा जानने वालों की मांग बढ़ी है। चीनी पर्यटकों के साथ काम करने वाले भारतीय होटलों और पर्यटन उद्योग को भी चीनी दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है। लिहाजा इन क्षेत्रों में भी चीनी भाषा के जानकारों की मांग बढ़ी है। एक कहावत है कि आप सबकुछ बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। चीन भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी है। लिहाजा इस वजह से भी जरूरी है कि चीन की भाषा सीखी जाए। यह सोच भारतीय समाज में भी बढ़ रही है। भारत और चीन कई अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से एक-दूसरे के सहयोगी है। भारत-चीन आर्थिक और वाणिज्यिक व्यापारिक संबंध कई प्लेटफार्मों के जरिए बन रहे हैं। आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समूह, सामरिक आर्थिक वार्ता, चीन का विकास अनुसंधान केंद्र, भारत-चीन वित्तीय वार्ता और अन्य संस्थागत तंत्रों के जरिए भारत और चीन के बीच संवाद और कारोबारी-बौद्धिक रिश्ते हैं। इसके साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय संगठन ब्रिक्स के सक्रिय साझेदार हैं। इतना ही नहीं, चीन की करीब 150 से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में दोनों देशों का कारोबार आसमान छू रहा है। कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं। इस वजह से भी चीनी भाषा की भारत में पूछ बढ़ रही है और वह जरूरत भी बनती जा रही है। चीन में सक्रिय भारतीय कंपनियों के लिए भी चीनी कंटेंट लेखकों और दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है।

यही वजह है कि मंदारिन को लेकर भारत में भी जड़ता टूट रही है।

आलेख

एक जमाना था पोक वाली डिजिटल थपकी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

एक जमाना था जब लोग मिलते एक-दूसरे को राम राम, नमस्ते करके अभिवादन करते थे। फिर फोन आया , मोबाइल आया, तो कॉल करके हालचाल पूछ लेने का रिवाज बना ।व्हाट्सएप आया, तो हाय और गुड मॉर्निंग की फूलों वाली तस्वीरें चलने लगीं। लेकिन जब फेसबुक ने 'पोक' और पोक बैक के बटन बना दिया, तो हम संवेदन शील लोगों को हल्का झटका लगा। पोक। के मैसेज मिलते ही चुभन सी होती है। जैसे कोई आपके कंधे पर उंगली से टोक रहा हो- ओ भई, मैं भी हूं यहाँ! और जब आप पोक बैक कर दें, तो यह संवाद का चरमोत्कर्ष माना जाता है। कोई शब्द नहीं, कोई भावना नहीं—बस डिजिटल उंगली की संवेदना हीन चुभन। भारत में पोक को लेकर बहुत भ्रम की स्थिति है। हमारे यहाँ उंगली उठाने की परंपरा बहुत संवेदनशील मानी जाती है। किसी ठीक ठाक चलते काम में उंगली करना अच्छा नहीं माना जाता । कोई किसी को असल में उंगली से पोक कर दे, तो बात थाने तक पहुंच सकती है। लेकिन फेसबुक पर यही काम प्यारा इशारा बन जाता है। अब गाँव के चाचा ने जब फेसबुक चलाना सीखा और गलती से किसी बुआ जी को पोक कर दिया, तो पूरा खानदान चिंता में पड़ गया। चाची ने चाचा को पकड़कर पूछा, पोक का मतलब क्या होता है? चाचा बेचारे बोले, मुझे लगा घंटी जैसी कोई चीज़ है। बजा दी। पढ़े लिखे युवाओं और शहरों में पोक का इस्तेमाल कुछ अलग ही लेवल पर होता है। कुछ लोग इसे इंविटेशन टू कन्वर्सेशन मानते हैं, तो कुछ लोग डिजिटल फ्लर्टिंग का माध्यम। लेकिन अगर गलती से किसी ने अपने बॉस को पोक कर दिया, तो समझ लीजिए, अगली मीटिंग में आपको पोक-पोक करके ही निकाला जाएगा। लोक भाषा में पोक शब्द का अर्थ लीक करने वाला होता है, जब इंक पैन उपयोग होते थे और उनकी स्याही लीक हो जाती थी तो जेब का धब्बा छिपाते हुए पेन के पोक देने पर गुस्सा आता था। कोई गोपनीय वार्ता कहीं लीक हो जाती थी तो उस शख्स को ढूंढा जाता था जिसने जानकारी पोक दी होती थी। भारत में पोक और पोक बैक एक ऐसी परंपरा बन गई है, जिसे लोग करते तो हैं, लेकिन समझते कम ही हैं । यह एक ऐसा संवाद है, जिसमें संवाद नहीं होता। एक ऐसा स्पर्श है, जिसमें छूने की अनुमति नहीं। और एक ऐसा मज़ाक है, जिस पर कोई खुलकर हँसकर नहीं पाता। जरूरी है कि फेसबुक के इस पोक-बोक के खेल को भारतीय संदर्भ में थोड़ा सुधारा जाए। किसी ठीक ठाक चलते काम में उंगली करना अच्छा नहीं माना जाता । कोई किसी को असल में उंगली से पोक कर दे, तो बात थाने तक पहुंच सकती है। लेकिन फेसबुक पर यही काम प्यारा इशारा बन जाता है। अब गाँव के चाचा ने जब फेसबुक चलाना सीखा और गलती से किसी बुआ जी को पोक कर दिया, तो पूरा खानदान चिंता में पड़ गया। चाची ने चाचा को पकड़कर पूछा, पोक का मतलब क्या होता है? चाचा बेचारे बोले, मुझे लगा घंटी जैसी कोई चीज़ है। बजा दी। पढ़े लिखे युवाओं और शहरों में पोक का इस्तेमाल कुछ अलग ही लेवल पर होता है। नाम बदलकर हल्की सी टोक, डिजिटल धक्का, या फिर कंधे पर प्यार की थप्पी, खटखटाओ, रख दिया जाए। ताकि भारतीय उपयोगकर्ता इसे दिल से समझें और हँसते-हँसते स्वीकार करें, वरना अगली बार जब दादी जी को कोई पोक करेगा, तो वो पूछेंगी, बेटा ये कौन सा रोग है? डॉक्टर को दिखाऊँ क्या? क्या आप कभी पोक हुए हैं , आज के डिजिटल जीवन में?

शब्द हिंसा का बेलगाम समय!

-प्रो.संजय द्विवेदी

यह शब्द हिंसा का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गो की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा सच बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है।

सूचना और खबर के अंतर को समझिए -

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज सूचना और ज्ञान को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि सूचना तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है।

हर व्यक्ति नहीं हो सकता पत्रकार

यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर प्रेस का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक,महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं.जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस कौंसिल आफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ पता नहीं।

समाज की रुचि का करें परिष्कार-

समाज की रुचि का परिष्कार और रूचि निर्माण भी मीडिया की जिम्मेदारी है। अपने पाठकों, दर्शकों को समय के ज्वलंत मुद्दों पर अपडेट रखना, उनकी बौद्धिक, नागरिक चेतना को जागृत रखना भी मीडिया का काम है। जबकि देखा यह जा रहा है कि पाठकों की पसंद के नाम पर कंटेंट में गिरावट लाने की स्पर्धा है। ऐसे कठिन समय में मीडिया के दायित्वबोध और सरोकारों पर बातचीत बहुत जरूरी है। प्रिंट मीडिया ने भी साहित्य, कलाओं, प्रदर्शन कलाओं और मनुष्य बनाने वाली सभी विधाओं को अखबारों से निर्वासन दे दिया है। मीडिया सिर्फ दर्शक बना रहे यह भी ठीक नहीं। उसे राष्ट्रीय भावना और जनपक्ष के साथ खड़े रहना चाहिए।

देखा जाए तो समाज में फैली अशांति, स्पर्धा, लालसाओं और संघर्ष के बीच विचार के लिए सकारात्मक मुद्दे उठाने ही होंगे। मीडिया खुद अशांत है और गहरी स्पर्धा के कारण सही -गलत में चुनाव नहीं कर पा रहा है। ऐसे में मीडियाकर्मियों की जिम्मेदारी है कि खुद भी शांत हों और संवाद की शुचिता पर काम करें। वसीम बरेलवी लिखते हैं -

कौन सी बात कहां, कैसे कही जाती है।
वो सलीका हो तो हर बात सुनी जाती है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में आचार्य और अध्यक्ष हैं।)

एशिया-अफ्रीका मैत्री का प्रतीक बांडुंग

प्रकाश कुमार

बांडुंग सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे। इंडोनेशिया का खूबसूरत शहर है बांडुंग... बांडुंग की जो चीज लोगों को सबसे ज़्यादा पसंद है, वह है शहर का ठंडा मौसम...शायद इस शहर की ठंडी तासीर ही थी कि शीत युद्ध की गर्मी के खिलाफ अफ्रीका और एशिया के देशों ने ठीक सत्तर साल पहले 1955 में यहां जुटान रखी और दो ध्रुवों में तब बंटी दुनिया की बजाय अपनी अलग राह चुनी। बीते 18 अप्रैल को इस शहर ने एशिया-अफ्रीकी संबंधों और आपसी सहयोग की नई नींव रखने की सतरवीं सालगिरह मनाई है। सत्तर साल पहले इस आयोजन को बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है। इसी सम्मेलन के छह साल बाद 1 से 6 सितंबर, 1961 के बीच तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी गई। बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी जिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था। इस सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे। इस बीच इंडोनेशिया ने शिक्षा, अर्थव्यवस्था और परिवहन में प्रगति के माध्यम से पिछले सात दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी दौरान इंडोनेशिया-चीन सहयोग के चलते जकार्ता-बांडुंग हाई-स्पीड रेलवे चल रही है। जिसकी वजह से दोनों शहरों की दूरी अब चार घंटे की बजाय महज 30 मिनट में पूरी हो जाती है। पोपोंग ने हाल ही में बांडुंग स्थित अपने घर पर शिन्हुआ को बताया, इसी बांडुंग सम्मेलन के बाद तकरीबन सभी देशों से उपनिवेशवाद ख़त्म हो गया है और अब एशियाई और अफ्रीकी देश आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपना पुनर्निर्माण कर रहे हैं। वैश्विक विकास मानवीय संबंधों, विशेषकर सीमा पार संबंधों को लेकर इस सम्मेलन के देश आगे बढ़ रहे हैं। इसकी ही वजह से आज एशिया और अफ्रीका के देश नजदीक आ रहे हैं और उनकी आर्थिकी एक-दूसरे पर निर्भर करती है। बांडुंग में इस बार सिर्फ औपचारिक आयोजन हुआ। लेकिन बांडुंग अब एशिया और अफ्रीका के घने होते रिश्तों का प्रतीक बन गया है। सम्मेलन के मुख्य सिद्धांत राजनीतिक आत्मनिर्णय, संप्रभुता के लिए परस्पर सम्मान, गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना और समानता थे। ये मुद्दे सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए केंद्रीय महत्व के रहे, जिनमें से अधिकांश हाल ही में औपनिवेशिक शासन से उभरे थे। इन्हीं सिद्धांतों को गुटनिरपेक्षता की नीति के मुख्य उद्देश्यों के रूप में बाद में अपनाया गया था। औपनिवेशिक डच ईस्ट इंडीज काल के दौरान बांडुंग का आधिकारिक नाम बांडोएंग था। बहरहाल बांडुंग भावना दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को प्रेरित करती है। सत्तर साल पहले इस आयोजन को बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है। इसी सम्मेलन के छह साल बाद 1 से 6 सितंबर, 1961 के बीच तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी गई। बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। बीते 18 अप्रैल को इस शहर ने एशिया-अफ्रीकी संबंधों और आपसी सहयोग की नई नींव रखने की सतरवीं सालगिरह मनाई है। सत्तर साल पहले इस आयोजन को बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है। इसी सम्मेलन के छह साल बाद 1 से 6 सितंबर, 1961 के बीच तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी गई। बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी जिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था।यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी जिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था। इस सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रत्येक शाकाहारी को फास्टफूड का त्याग करना चाहिये : मुनिश्री नियम सागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि श्री नियमसागर महाराज मुनिश्री निरंजन सागर महाराज किरीमौहल्ला स्थित जैन भवन में तथा मुनि श्री निराकुल सागर महाराज मुनि श्री अजयसागर महाराज स संघ अरिहंत विहार में विराजमान है।मुनि श्री नियमसागर महाराज को अपने निवास पर आहारदान दैने का सौभाग्य दयोदय महासंघ, मुनिसंघ सेवा समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी को मिला इस अवसर पर मुनि श्री ने सभी श्रावकों को सम्वोधित करते हुये कहा कि फास्टफूड का सेवन अर्थात मांसाहार का सेवन है,जो लोग भी शाकाहारी है उन सभी को फास्टफूड का त्याग करना चाहिये वर्तमान समय में पीजा बर्गर आदि फास्टफूड को खाना और खिलाना मांसाहार सेवन के बराबर है इससे बच्चों के स्वास्थ्य पर बहूत बड़ा असर पड़ता है।अत: सभी अभिभावकों को चाहिये कि वह खुद भी फास्टफूड का त्याग करें और बच्चों को भी खाने को न दें जिससे पूरा परिवार स्वस्थ रहे एवं धर्म का भी पालन हो। इस अवसर पर समस्त संघस्थ ब्र भैयाजी भी उपस्थित थे। -**अविनाश जैन**

तेरापंथ युवक परिषद् रायपुर ने मनोरंजन से भरपूर पूरे परिवार के साथ दुर्ग में पिकनिक का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। समाज में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भागदौड़ भरी जिंदगी में परिवारों के पारस्परिक संबंध को और प्रगाढ़ करते हुए मेल-मिलाप को ध्यानार्थ करते हुए तेरापंथ युवक परिषद्, रायपुर ने मनोरंजन से भरपूर पूरे परिवार के लिए 04/05/2025, रविवार को रायपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर SPDG Resorts, दुर्ग में पिकनिक का आयोजन किया गया। जिसमें सम्मिलित परिवारजनों ने विभिन्न प्रकार के खेलों का आनंद लेते हुए अनेक आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी बन आकर्षक पुरस्कार प्राप्त किए। तेयुप ने पिकनिक में समय-समय पर जैनत्व से भरपूर स्वादिष्ट व्यंजनों की बगीया भी सजाई जिसका स्वाद भी सम्भागीयों ने लिया। आयोजन में विशेष योगदान वीरेंद्र डागा, रिशव जैन, विनय गुलगुलिया, विनय भूतोडिया, गणेश बोथरा का रहा। -**वीरेंद्र डागा**

जो नकारात्मकता की ओर जाएंगे वे टूट जाएंगे और जो सकारात्मकता की ओर आगे बढेंगे वे निखर जाएंगे : मुनि श्री प्रमाणसागर जी

अवधपुरी (विश्व परिवार)। आत्महीनता की भावना जिसके अंदर आ जाती है, वह अपने ही दोष और अपनी कमिओं से ग्रसित होकर स्वंय से अस्वीकृति के भाव प्रकट कर लेता है, जो अनेक प्रकार की दुर्बलताओं को जन्म देता है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने अवधपुरी में व्यक्त किये।

मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनि श्री प्रतिदिन भावनायोग के माध्यम से मनुष्य के अंदर की नकारात्मकता को दूर करने के लिये नकारात्मक श्ब्दों के माध्यम से दिव्य बचन सुना रहे है। मुनि श्री ने अस्वीकृती शब्द की व्याख्या करते हुये कहा कि अपने आपको भी कभी हीन दृष्टि से मत देखो यदि कोई कमी या दुर्बलता है, तो उसे पहचानो और दृण संकल्प के माध्यम से उसे दूर करो। मुनि श्री ने कहा कि जहां स्वीकृति है वहां शांति है,जहां अस्वीकृति है वहां अशांति यदि आपके अंदर कोई गुण है तो उसकी प्रशंशा करो उन्होंने कहा कि व्यक्ति जब स्वंम को औरों से तुलना कर जब हम स्वंय अस्वीकृती का भाव रखते है,तो अंदर से आत्महीनता की भावना आ जाती है, फिर हम कोई कार्य को करना भी चाहे तो नहीं कर पाते उन्होंने कहा कि अपने में गुण नहीं होंने पर भी उन गुणों का बखान करना आत्मप्रशंसा है में उसकी बात नहीं कर रहा लेकिन यदि कोई गुण आपके अंदर है,तो उसे स्वीकार करोऔर आगे बड़ो मुनि श्री ने एक घटना का उल्लेख करते हुये कहा कि एक बच्चा फटे पुराने कपड़े पहन कर स्कूल गया शिक्षक ने उसे इग्नोर किया लेकिन उस बच्चे ने अपनी योग्यता और लगन से पूरे स्कूल में टांप किया तो सभी आश्चर्य चकित रह गये जब शिक्षक ने उससे पूंछा कि तुमने टांप कैसे किया? तो उसने जबाब दिया कि लोगों ने तो मुझे अस्वीकार कर दिया लेकिन मेंने उस अस्वीकार भाव को ही कड़ी महनत कर उस अस्वीकृति को ही अवसर मैं बदलने का निश्चय कर लिया। मुनि श्री ने कहा कि अस्वीकृति को अवसर मैं बदला जा सकता है,औरों के कारण अपने आपको अस्वीकार मत करो तथा औरों के अस्तित्व को भी अस्वीकार भी मत करो कुछ लोग ऐसे भी होते है कि अपने आगे किसी को कुछ गिनते ही नहीं यह उनके अंदर का अहंकार है,जो अस्वीकृत होंने पर भी अपने आपको बनाये रखते है मुनि श्री ने कहा कि अस्वीकृति किसी को तोड़ सकती है,तो किसी को तराश भी सकती है जो नकारात्मकता की ओर जाऐंगे वह टूट जाऐंगे और जो सकारात्मकता की ओर आगे बड़ेगे वो निखर जाऐंगे उन्होंने भोपाल की एक पुरानी घटना का जिक्र करते हुये कहा कि साधन संपन्न व्यापारी पिता ने नाराज होकर अपने युवा दंपत्ति को घर से निकाल दिया वह युवा दंपत्ति में योग्यता थी और वह पिता से क्षुब्ध नहीं हुये उन्होंने उनका आभार प्रकट करते हुये कहा कि पिताजी आपने हमें पड़ाया लिखाया हम आपके आभारी है हम जा तो रहे है, हां आपसे एक आपेक्षा अवश्य रखते है कि जबभी आपको हमारी आवश्यकता महसूस हो तो आप हमें अवश्य याद करना और वह घर छोड़कर निकल गये मन में कोई सिकायत का भाव नहीं था योग्यता थी और देखते ही देखते समय बीता उसने अपनी योग्यता तथा आत्मविश्वास के बल पर अपने मित्रों के साथ खुद का व्यापार खड़ा किया और आज उसका बहूत बड़ा विजनेस एम्पायर है, मुनि श्री ने कहा कि आत्मविश्वास के बल पर अस्वीकृति को भी स्वीकृति में वदल सकते है।इस अवसर पर मुनि श्री संधान सागर महाराज सहित समस्त छुल्लक मंचासीन थे। उपरोक्त जानकारी अविनाश जैन विद्यावाणी ने दी। -**अविनाश जैन**

मड़ावरा के ब्र. राकेश भैया की इंदौर में होगी भव्य दीक्षा

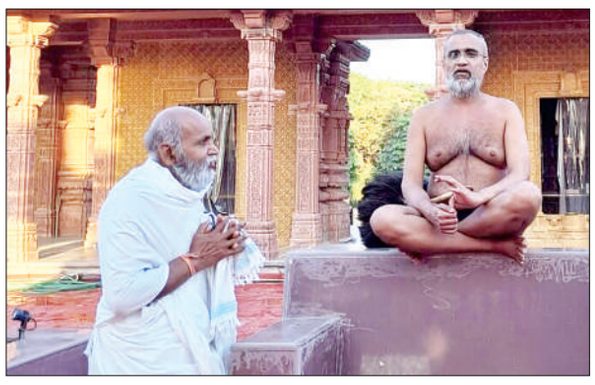

ललितपुर (विश्व परिवार)। मड़ावरा निवासी ब्र. राकेश जैन चौधरी की भव्य श्ुल्लक दीक्षा 8 मई 2025 को पट्टाचार्य 108 विशुद्धसागर जी महाराज के निर्देशन में इंदौर में होगी। विशाल संघ के सान्निध्य में प्रथमबार श्रमणरत्न सुप्रभसागर जी महाराज इंदौर में भव्य दीक्षा देंगे। इस मौके पर अनेक आचार्य एवं विशाल संघ का सान्निध्य रहेगा। उत्कर्ष समूह भारत (मुनि श्री सुप्रभसागर जी की प्रेरणा से स्थापित) के निर्देशक डॉ. सुनील संचय ने बताया कि राकेश चाचा श्रमणाचार्य 108 विशुद्धसागर जी महाराज की आज्ञा एवं निर्देशन से 2019 से मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज संघ में साधनारत हैं। अब दीक्षा होने जा रही है जिससे मड़ावरा जैन समाज में भारी हर्ष है, नगर से एक ओर गौरव जुड़ने जा रहा है।

मड़ावरा में उनकी बिनौली यात्रा और गोद भराई का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ब्र. राकेश भैया इंदौर से मड़ावरा पहुँच गए हैं।

8 मई को मड़ावरा से दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने इंदौर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और परिजन पहुंचेंगे। राकेश जैन जो चाचा के नाम से प्रसिद्ध हैं शुरु से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हुए निरंतर व्रत और उपवास में संलग्न रहते थे।

आध्यात्मिक आनन्द प्राप्त करने हेतु बदरीनाथ धाम की यात्रा करना जरूरी है : ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी

उत्तराखंड (विश्व परिवार)। वैशाख शुक्ल सप्तमी तदनुसार दिनांक 4 मई 2025 को प्रात: 6 बजे भूवैकुण्ठ के सर्वस्व भगवान बदरीनाथ जी के कपाट का उद्घाटन हो गया। कपाट खुलने के पूर्व धर्माधिकारी श्री राधाकृष्ण थपलियाल जी द्वारा पंचांग पूजन सम्पन्न किया गया। फिर तय समय पर मन्दिर द्वार खोल दिए गए। ज्योतिर्मठ के 55वें शंकराचार्य 'परमाराध्य' परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिषपीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामिश्री: अविमुक्तेश्वरानंद: सरस्वती जी महाराज इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पूज्यपाद शंकराचार्य महाराज जी ने सनातन धर्मियों को सन्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में यहां आकर लोग भगवान बदरीनाथ का दर्शन करें, तीर्थाटन की दृष्टिकोण से आएं, कष्ट सहने की भावना रखें, यात्रा के समय खान-पान पर विशेष ध्यान रखें, मौन रहें और निरन्तर भगवन्नाम संकीर्तन करते हुए भगवान के दर्शन करें। साथ ही पर्यावरण को कोई नुकसान ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने आगे कहा कि यहां आकर हम सबको आध्यात्मिक आनन्द प्राप्त करना चाहिए, आध्यात्मिक आनन्द और लौकिक में केवल इतना अन्तर है कि लौकिक आनन्द क्षणिक है और आध्यात्मिक आनन्द पूरे जीवन भर हमें शान्ति प्रदान करता है, उस अनुभूति को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता इसलिए यहां आकर इस को अनुभूत करना चाहिए। अगले छह महीने तक मनुष्यों की ओर से मुख्य पुजारी श्री अमरनाथ नम्बूदरी जी भगवान बदरीविशाल की पूजा करेंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सर्वश्री निवर्तमान रावल श्री ईश्वरप्रसाद नम्बूदरी जी, प्रत्यक्चैतन्यमुकुन्दानन्द गिरि, स्वामी संविदानन्द गिरि, श्रीनिधिरव्यानन्द सागर, अप्रमेयशिवसाक्षात्कृतानन्द गिरि, शारदानन्द ब्रह्मचारी जी, वेदपाठी रवीन्द्र भट्ट जी, वेदपाठी अमित बन्दोलिया जी, जिलाधिकारी संदीप तिवारी जी, मन्दिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल जी, ज्योतिर्मठ के सी ई ओ चन्द्रप्रकाश उपाध्याय जी, पंकज मोदी जी, अनिल भारद्वाज जी, बृजेश सती जी, भास्कर डिमरी जी, उमेश सती जी, सुदीप अग्रवाल जी, राजेश मेहता जी, कमलेश कुकरेती जी, अमित तिवारी जी, वाणी विलास डिमरी जी, दीपक शर्मा जी, भवानन्द ब्रह्मचारी जी आदि उपस्थित रहे।

भव्य सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर का नसियां के दादाबाड़ी कोटा में हुआ शुभारंभ

कोटा (विश्व परिवार)। पुण्योदय अतिशय क्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी कोटा में परम पूज्य आचार्य भगवन 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के परमप्रभावक शिष्य गुरूदेव निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से आगामी दिनांक चार मई से आठ दिवसीय पुण्योदय सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर का शुभारम्भ हुआ नसिया जी समिति अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को जानकारी देते हुवे बताया कि ये शिविर 4 मई 11 मई तक चलेगा इस शिविर में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के विद्वान पारस शास्त्री व विद्वतजनों, सौरभ सिद्धार्थ शास्त्री, अभिषेक शास्त्री, दीपांशु शास्त्री, हेमन्त शास्त्री, शुभम शास्त्री, शशांक शास्त्री, रविन्द्र शास्त्री द्वारा बच्चों महिलाओं और पुरुषों को जैन धर्म दर्शन का शिक्षण कराया गया।विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार ने आगे बताया कि आज उदघाटन समारोह में सर्व प्रथम हरसौरा परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया उसके पश्चात महावीर मित्तल परिवार ने मंगल कलश की स्थापना की, विवेक ठौरा परिवार ने आचार्य 108 विद्या सागर जी महाराज व निर्यापक 108 सुधा सागर जी महाराज के चित्र अनावरण व दीप प्रज्जवन किया। संयोजक धर्मचंद जैन ने बताया कि दीप प्रज्जवन के बाद सभी पुण्यार्जक परिवारों का सम्मान किया गया आमंत्रित विद्वानों का सम्मान किया गया। उसके बाद मुनि श्री108 विभोर सागर जी महाराज की मंगल देशना सभी भक्तजनों को मिलीं. मुनिश्री ने शिविर से जुड़े सभी लोगो आशीर्वाद प्रदान किया।

संयोजक अर्चना रानी जैन सर्राफ ने बताया कि मंगल देशना बाद सभी शिविरार्थी अपनी अपनी बालबोध भाग (1) एक, बालबोध भाग (2) दो, छहढाला पूर्वार्ध, छहढाला (उत्तरार्द्ध), इष्टोपदेश, ग्रंथ, तत्वार्थ सूत्र, प्रश्नोत्तरी रत्नमालिका, समेत अन्य विषयों की वातानुकूलित कमरों में सामूहिक कक्षाएं में गयें, अपने विषय की प्राथमिक जानकारी के बाद 10 बजे सभी शिविरार्थी एवं आगन्तुक अतिथियों ने अल्पाहार ग्रहण किया। प्रतिदिन सुबह- शाम विधिवत कक्षाएं लगेगी।सभी शिविरार्थी अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्मलाभ ले आज प्रथम दिन कुल 457 शिविरार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया गया।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दिवंगत शिक्षकों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति की उठाई मांग, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर आमजन से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर पंचायत एवं नगरीय निकाय संवर्ग के दिवंगत शिक्षकों के 1242 आश्रित परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने का आग्रह किया है।

बृजमोहन अग्रवाल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि शिक्षा कर्मी कल्याण संघ, छत्तीसगढ़ के बैनर तले दिवंगत शिक्षकों के परिजनों ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजधानी रायपुर के बूढ़ा तालाब धरना स्थल पर 307 दिनों तक आंदोलन किया। इस आंदोलन के दौरान परिजनों ने जल सत्याग्रह, दण्डवत आंदोलन, जेल भरो आंदोलन और महिलाओं द्वारा मुण्डन जैसी मार्मिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी पीड़ा को व्यक्त किया, जिससे संपूर्ण प्रदेश की आत्मा व्यथित हो उठी थी। श्री अग्रवाल ने बताया कि उस समय वे स्वयं, तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष डॉ. रमन सिंह एवं भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ इस आंदोलन में परिजनों के साथ खड़े थे तथा भाजपा ने सत्ता में आने पर जल्द से जल्द अनुकम्पा नियुक्ति देने का वादा किया था। उन्होंने पत्र में जानकारी दी कि वर्तमान में मात्र 27 पात्र आवेदकों को ही अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है, जबकि लगभग 1242 आश्रित परिजन अब भी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अधिकांश को टीईटी अर्हता के अभाव में अपात्र घोषित कर दिया गया है, जबकि कई की आयु सीमा भी पार हो रही है।

सांसद श्री अग्रवाल ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि इस विषय को मानवीय दृष्टिकोण एवं संवेदनशीलता के आधार पर लेते हुए राज्य कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर नियमों में आवश्यक शिथिलता दी जाए, ताकि शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप इन परिजनों को शिक्षा विभाग एवं पंचायत विभाग में रिक्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों जैसे लिपिक, विज्ञान शिक्षक, भृत्य आदि पर नियुक्ति दी जा सके। हाल ही में दिवंगत शिक्षकों के परिजनों ने श्री अग्रवाल से भेंट कर अपनी समस्याएं साझा की थीं और उन्हें ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई थी।

सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करें यह हमारा कर्तव्य भी : टी.के. भोई, यातायात प्रशिक्षक

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प के तीसरे दिन यातायात नियमों की जानकारी देते हुए ट्रैफिक ट्रेनर टी. के. भोई ने कहा कि यातायात के सारे नियमों का पालन करना हमारा कर्तव्य है जिससे जीवन की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। कभी भी शार्ट कट के चक्कर में अपनी जान को जोखिम में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने बतलाया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं चालक की लापरवाही से होती है। यदि चालक अच्छा हो और वह यातायात नियमों का पालन करता हो तो दुर्घटनाओं की सम्भावना कम हो जाती है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए हमें यातायात संकेतों का भी ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने विस्तार से बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से यातायात संकेतों का परिचय दिया तथा उनका पालन करने की नसीहत दी। उन्होंने बतलाया कि यह संकेत संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों में एक समान होते हैं। सड़क पार करने के लिए जेब्रा कासिंग का ही उपयोग करना चाहिए। इसी प्रकार आधी सड़क दाँयी ओर देखते हुए और शेष आधी सड़क बाँयी ओर देखते हुए पार करना चाहिए।

सुशासन तिहार : ग्रामीण अंचलों में वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री राजवाड़े

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य में सुशासन तिहार के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के दूरस्थ ग्राम रैसरा, खड़ौली, जांज, रैसरी और चेंद्रा पहुंचकर जन चौपालों के माध्यम से आम जनता से सीधे संवाद किया और मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। भीषण गर्मी के बावजूद मंत्री राजवाड़े जमीन पर बैठकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनती रहीं। पेयजल संकट, सड़कों की दुर्दशा और राजस्व मामलों में विलंब जैसी समस्याएं सामने आईं। खड़ौली मार्ग की खराब स्थिति को देखते हुए उन्होंने 10 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण की घोषणा की और शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। रैसरी पंचायत के बगीचा पारा में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने सहकारी बैंक शाखा खोलने की मांग रखी। मंत्री राजवाड़े ने इसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय अध्ययन व आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

इश्तिहार

रा.मा.क्र./202504113700019/अ-6/2024-25

ग्राम-टाटीबंध, प0ह0नं0 54 तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

रायपुर, दिनांक 24/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका **श्रीमती रीना छाबरिया पति स्व. महेश छाबरिया निवासी जवाहर नगर रायपुर (छ.ग.)** द्वारा इस न्यायालय में छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, **ग्राम टाटीबंध, प.ह.नं. 54. तहसील व जिला रायपुर** स्थित परिवर्तित **भूमि खसरा नंबर 101/33 का भाग, रकबा 6503** वर्गफुट भूमि को आवेदिका द्वारा विक्रेतागण **मेघराज प्रजापति पिता जेठमल प्रजापति, संदीप प्रजापति पिता मेघराज प्रजापति दोनों निवासी न्यू शांति नगर रायपुर (छ.ग.)** से पंजीकृत विक्रय विलेख **दिनांक 08/02/2005** को क्रय किया गया है। उक्त भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदिका द्वारा अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने निवेदन किया है।

अत: आवेदिका का द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 09/05/2025** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 24/04/2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार, रायपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)

आम-सूचना

जारी दिनांक 01/05/20251

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री पिता श्री जगजीत सिंह अरोरा पिता श्री ईशर सिंह ग्राम निवासी शंकर नगर, रायपुर** द्वारा आवेदित भूमि **पुरेना** प0ह0नं0 67 रा0नि0सं0 - रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 402/03, 406/1,406/2 409/10, 409/12 रकबा 0.0830, 0.2040, 0.1610, 0.0610, 0.0680 का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश **दिनांक 21.04.2025** के परिपालन में **दिनांक 09/05/2025** को समय 12 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अत: उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर **67** के **पुरेना** स्थित कार्यलय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

मुहर

राजस्व निरीक्षक रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)

संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर

E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./20495/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025

रायपुर, दिनांक 05-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20495

वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L00540** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KOMAL NARANG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK H NARANG** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARITA PUVVDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARAYANA PUVVADA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री श्रीमती प्रीति सिंह

(जोन कमिश्नर)

जोन क्रमांक- (1)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)

प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर

E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20598/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025

रायपुर, दिनांक 12-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20598

वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758C00072** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. MEERA BAI AGRAWAL, 2. ARYA RATNA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. PRAKASH CHANDRA AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. **मीरा बाई अग्रवाल पति स्व. प्रकाशचंद अग्रवाल, 2. सरिता अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. आर्य रत्न अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री अरूण कुमार धुव

(जोन कमिश्नर)

जोन क्रमांक-4

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)

प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर

E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./15502/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025

रायपुर, दिनांक 29-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15502

वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739B00324** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHENDRA DEV TIWARI, NARENDRA DEV TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANANT DEV TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मनीष चौधरी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राधेश्याम चौधरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री अरूण कुमार धुव

(जोन कमिश्नर)

जोन क्रमांक-4

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 06 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

उदंती के जंगलों में दिखा भालू परिवार: ट्रैप कैमरे में कैद हुआ दुर्लभ दृश्य, पीठ पर सवार थे दो नन्हे शावक

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद जिले स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक सुखद और दुर्लभ दृश्य सामने आया है। रिजर्व क्षेत्र में लगाए गए ट्रैप कैमरे में एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ नजर आई, जिसमें दोनों शावक उसकी पीठ पर सवार थे। यह दुर्लभ दृश्य न केवल मनमोहक था, बल्कि यह क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण के सकारात्मक परिणामों को भी दर्शाता है। इस संबंध में उदंती टाइगर रिजर्व के डीएफओ श्री वरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा निरंतर निगरानी, संरक्षण कार्यों और संवेदनशील क्षेत्रों की सतत देखरेख के चलते अब वन्य प्राणियों की संख्या और उनकी प्राकृतिक गतिविधियों में बढ़ोतरी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि उदंती के जंगल भालुओं के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। यहां उन्हें भरपूर मात्रा में प्राकृतिक आहार जैसे शहद, मधुमक्खियों के छत्ते, दीमक, टेंदू फल और बाँबी आदि उपलब्ध हैं, जो उनके प्रमुख भोजन हैं। यही वजह है कि भालू जंगल में ही रहना पसंद करते हैं और अब टाइगर रिजर्व के आसपास के आबादी वाले क्षेत्रों में उनके आने की घटनाएं काफी कम हो गई हैं। वन विभाग की यह सफलता वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। इस प्रकार के दृश्य न केवल पर्यावरण प्रेमियों को उत्साहित करते हैं, बल्कि आम जनता के बीच भी जैव विविधता के महत्व को उजागर करते हैं।

ओडिशा का तेंदूपत्ता खप रहा हैं छग समिति के फड़ो में

गरियाबंद(विश्व परिवार)। छग में सरकार संग्राहकों को लाभ पहुंचाने राजमोहनी देवी तेंदुपत्ता संग्राहक सुरक्षा योजना चला रही है इस योजना के तहत देवभोग ब्लाक में विभाग समिति और संग्राहकों के मिली भगत से बड़ा खेल का पर्दाफाश हुआ है।देवभोग ब्लाक में देवभोग,लाटापारा, झाखरपारा और गिरसूल चार समितियों के माध्यम से सरकार हरा सोना अर्थात तेंदुपत्ता की खरीदी करती है और इसमें मानक बोरा के टारगेट पूरा करने ओडिशा के पत्ते को सस्ते पर खरीद कर छग के समितियों में खपाने का काम तेजी से चल? रहा है। विभाग भी इस पर नकेल कसने में विफल है तो कहीं ना कहीं विभाग पर भी सवालिया निशान लग रहा है। तेंदुपत्ता आखिर हरा सोना क्यों?- राज्य सरकार तेंदुपत्ता संग्राहकों को लाभ पहुंचाने योजना चलाती है सरकार समिति के माध्यम से हर साल अप्रैल के माह में संग्राहकों से तेंदुपत्ता खरीदती है, प्रति सैकड़ा 650 रूपये के दर से खरीदी होता है समिति से कम्पनी खरीदती है और कम्पनी से बिडी उत्पादन कारखानों में पत्ते जाते हैं इस बीच कई खेल चलता है, बोनस बीमा को मिला कर दाम सोने के बराबर होता है इसलिये इसे हरा सोना के नाम से छग में जाना जाता हैं।

बालको ने मजदूर दिवस पर सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल के संकल्प को दोहराया

कोरबा-बालकोनगर(विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने मजदूर दिवस के अवसर पर सुरक्षित, डिजिटल और समावेशी कार्यस्थल निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रचालन क्षेत्र में 11,000 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के साथ कंपनी एक ऐसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है, जहाँ सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। डिजिटलीकरण से कार्य प्रक्रियाएं अधिक कुशल बनी हैं और इससे कर्मचारियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बालको में सुरक्षा साझी जिम्मेदारी है, सभी कर्मचारी एवं आगंतुक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं। पूरे प्लांट में अग्नि एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषय पर होने वाली मासिक चर्चाएं सुरक्षा संस्कृति को और मजबूती प्रदान करती हैं। इन कार्यों को एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों तथा डिजिटल सुरक्षा डिस्प्ले के सहयोग से जोखिमों की पहचान तथा सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कर कंपनी के शून्य-हानि दर्शन की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। कंपनी ने डिजिटलाजेशन से कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया है जिससे प्रचालन का कार्य सुरक्षित व दक्षता के साथ हो रहा है। पॉटलाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआरध्वीआर प्रशिक्षण ने कर्मचारियों को सुरक्षित एवं नियंत्रित वातावरण में जटिल कार्यों के लिए तैयार होने में सक्षम बनाया है। मैटेरियल मूवमेंट और कास्ट हाउस के कार्यों का संचालन रियल-टाइम डैशबोर्ड और स्वचालित ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से अधिक पारदर्शिता और दक्षता के साथ किया जाता है। इन्वेंट्री प्रोसेसिंग से लेकर इंटरलॉक प्रोटेक्शन तक डिजिटल टूल टीम को तेजी से निर्णय लेने, जोखिमों की पहचान करने और कार्यस्थल के तनाव को कम करने में सहायक हैं। बालको में स्वास्थ्य और कल्याण कार्यस्थल से शुरू होता है, जहाँ नियमित जांच और स्वास्थ्य जांच के माध्यम से निवारक देखभाल दैनिक कार्यों में अंतर्निहित है। कर्मचारियों और उनके परिवारों के पास बालको अस्पताल के 100 से अधिक बेड वाले मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की सेवाएं सुलभ हैं, जहाँ उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उन्नत चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होती हैं।

मां काली पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाला प्रोफेसर गिरफ्तार

अंबिकापुर(विश्व परिवार)। अंबिकापुर में मां काली पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले प्रोफेसर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रोफेसर पर आरोप है कि कॉलेज के ग्रुप में उन्होंने एक पोस्ट किया था। पोस्ट में लिखा कि काली माई से बड़ा शैतान कोई नहीं है। इस पोस्ट के वायरल होने के बाद हिन्दुवादी संगठनों ने विरोध किया था। साथ ही इसकी शिकायत भी थाने में दर्ज कराई थी। जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर थाना क्षेत्र की है। पीजी कॉलेज के बॉटनी के सीनियर प्रोफेसर एचडी महार ने बीते शुक्रवार की सुबह कॉलेज के ङ्खद्धड्डह्लह्यश्चश्च ग्रुप में एक पोस्ट किया। प्रोफेसर ने लिखा कि काली माई से बड़ा शैतान कोई नहीं है। इस पोस्ट को लेकर हिंदुवादी संगठनों ने जमकर विरोध किया। साथ ही गांधीनगर पुलिस थाना में प्रोफेसर के खिलाफ अपराध दर्ज कराया। पुलिस ने मामले में प्रोफेसर के खिलाफ धारा 298 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस मामले में जांच कर रही थी। इस दौरान प्रोफेसर एचडी महार को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। शनिवार की शाम को ही प्रोफेसर को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें सेंट्र्ल जेल भेज दिया गया।

मुसाफिरों की निगरानी को लेकर गरियाबंद पुलिस सक्रिय, अजनबी डेटाबेस तैयार करने बैठक आयोजित

गरियाबंद (विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन में गरियाबंद पुलिस द्वारा मुसाफिर (अजनबी रोल) की जानकारी एकत्र करने और सीसीटीएनएस के माध्यम से डेटा बेस तैयार करने की दिशा में अहम कदम उठाया गया। इस उद्देश्य से आज दिनांक 05 मई 2025 को थाना राजिम में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओपी निशा सिन्हा एवं थाना प्रभारी निरीक्षक अमृत लाल साहू ने की। इस बैठक में नगर पंचायत राजिम के सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए। चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया गया कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आने वाले मुसाफिरों की संपूर्ण जानकारी ङ्क जैसे नाम, पता, पहचान पत्र विवरण आदि ङ्क संबंधित वार्ड पार्षदों द्वारा थाना को उपलब्ध कराई जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस पहल का उद्देश्य थाना क्षेत्र में आने वाले अजनबी व्यक्तियों पर निगरानी रखते हुए, उनके संभावित आपराधिक रेकॉर्ड की जांच करना है। इस डेटा को सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम) के माध्यम से डिजिटल रूप से संधारित किया जाएगा, जिससे जरूरत पड़ने पर उनका विवरण तुरंत प्राप्त किया जा सके।

थाना राजिम द्वारा उठाया गया यह कदम अपराध पर नियंत्रण और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में शामिल सभी पार्षदों और अधिकारियों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी से विभिन्न मंडलों के पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय कोरबा में एक गरिमामय एवं संगठनात्मक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी से कोसाबाड़ी मंडल सहित विभिन्न मंडलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रमुखता से भेंट-मुलाकात की। यह मुलाकात संगठन को जमीनी स्तर तक और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं समन्वित बनाने के उद्देश्य से की गई। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर ने किया। उनके साथ पवन सिन्हा, लक्की नंदा, अजय चंद्रा, बालको मंडल अध्यक्ष दिलेन्द्र यादव, द्वारिका शर्मा, अर्जुन गुप्ता, प्रदीप सिंह, राम अवतार पटेल, ज्योति गायत्री दास, लोकेश चैहान, सतीश केशरवानी सहित अन्य मंडलों से जुड़े कई वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए संगठन की वर्तमान गतिविधियों, भविष्य की योजनाओं, आगामी चुनावी तैयारियों और जनसंपर्क अभियानों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत उसकी नींव में कार्यरत कार्यकर्ता हैं और सभी को दल के मूल्यों एवं सिद्धांतों पर अडिग रहकर निरंतर सक्रियता के साथ कार्य करते रहना चाहिए। पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में हो रहे संगठनात्मक कार्यों, जनसंपर्क अभियान, स्थानीय मुद्दों और जनभावनाओं से जुड़ी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर आगामी रणनीतियों, बूथ सशक्तिकरण, और युवाओं को संगठन से जोड़ने जैसे विषयों पर भी गहन विमर्श हुआ।

ब्रह्माकुमारीज ने किया गया श्रमिकों का सम्मान

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। किसी भी देश के नवनिर्माण में श्रमसाधक कर्मयोगी श्रमिक भाई बहनों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है । इनके श्रम के बगैर हम किसी भी राष्ट्र के उत्थान की कल्पना भी नहीं कर सकते है । छोटे से झोपडी से लेकर बड़ी बड़ी अट्टालिकाओं के साथ विभिन्न निर्माण कार्यों को सम्पन्न करने का कार्य श्रमिकों के द्वारा ही किया जाता है । यह उदगार सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी जी ने ज्ञान मानसरोवर में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में व्यक्त किया । आदरणीय पुष्पा दीदी जी ने आगे कहा कि श्रमिक भाई बहने अपने व्यस्ततम दिनचर्या में से कुछ समय निकालकर परमपिता परमात्मा को अवश्य याद करे इससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और दैनिक कार्य में परमात्मा की मदद मिलेगी । दीदी जी सबको राजयोग मेडिटेशन द्वारा शांति की गहन अनुभूति भी कराई । ज्ञातव्य है कि 3 मई को ब्रह्मकुमारीज ज्ञान मानसरोवर में श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में श्रमिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था । इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित इंजीनियर भ्राता तरुण साहू जी ने सभी श्रमिक भाई बहनों को शुभकामनाएं दी । दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई । श्रमिक भाई बहनों के सम्मान में कुमारी मान्या ने बहुत सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया तथा किशोर भाई ने स्वागत गीत गाया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमार झालम भाई ने तथा आभार प्रदर्शन ब्रह्माकुमारी प्रभा बहन जी ने किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमार रूपेश्वर भाई , कमलेश भाई , अमर दास भाई , टीकम भाई सहित अनेक श्रमिक भाई बहने उपस्थित थे ।

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन की बैठक सम्पन्न, एम.आर. खान बने गरियाबंद जिला संयोजक

समस्त कर्मचारी संगठनों में हर्ष की लहर, संगठन में नई ऊर्जा का संचार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन गरियाबंद में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रदेश, संभाग और जिला स्तर के विभिन्न विभागों से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने छुरा विकासखंड के प्रधान पाठक एम.आर. खान को गरियाबंद जिला संयोजक नियुक्त किया। इस नियुक्ति पर उपस्थित सभी सदस्यों ने श्री खान का अभिनंदन किया और संगठन में नई ऊर्जा के आगमन के रूप में उनके चयन की सराहना की। फेडरेशन की इस बैठक में प्रमुख रूप से संभागीय संयोजक चन्द्रशेखर तिवारी, संरक्षक प्रदीप वर्मा, आर. के. तलवरे (राजपत्रित अधिकारी संघ), बसंत त्रिवेदी, केपी श्रीवास, जितेश गजभिये, मनोज खरे सहित सभी विकासखंड संयोजक उपस्थित रहे। विकासखंड स्तर से यशवंत साहू (फिंगेश्वर), मुकेश साहू (मैनपुर), बहादुर कश्यप (देवभोग) की भी भागीदारी रही। इसके अलावा लिपिक संघ से सुदामा ठाकुर, सुनील यादव, पटवारी संघ से गुलशन यदु, तुलेश कोमर्रा, शिक्षक फेडरेशन से मिश्रीलाल तारक, संयुक्त शिक्षक संघ से संजय महाड़िक, शिक्षक संघ से मुरारी देवनगन, रामकुमार ध्रुव की भी सक्रिय उपस्थिति रही। पेंशनर संघ से एन. के. वर्मा व लखन साहू, वन कर्मचारी संघ से डोमार नागेश, प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ से डी. के. पडौती, आर. एच. ओ. संघ से पिंटू साहू, डिप्लोमा इंजीनियरिंग संघ से संतोष साहू व भगवान चन्द्राकर, राज्य कर्मचारी संघ से लोकेश सोनवानी, पशु चिकित्सा संघ से उमाशंकर साहू, डॉक्टर एसोसिएशन से डॉ. सहारे व डॉ. हरीश चौहान ने भी भाग लिया। बसंत वर्मा एवं टीकम नागेश (लघुवेतन कर्मचारी संघ), जितेंद्र यादव (वाहन चालक संघ) के साथ भगचंद चतुर्वेदी, संजय इक्का, अनूप महाड़िक और प्रकाश देवांगन सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारीगणों ने एम. आर. खान को बधाई दी। नवनियुक्त जिला संयोजक एम. आर. खान ने कहा कि वह समस्त कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा हेतु सामूहिकता के साथ कार्य करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर जनहित में आंदोलनात्मक कदम भी उठाएंगे।

कलेक्टर उइके ने सुशासन तिहार के संबंध में ली प्रेस वार्ता

ग्रामीण क्षेत्रों में 25 एवं नगरीय क्षेत्रों में 6 शिविरों का होगा आयोजन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर बी.एस. उइके ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के पत्रकारों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रेस वार्ता में वर्तमान में चल रहे सुशासन तिहार के संबंध में जानकारी दी। साथ ही 5 मई से जिले में होने वाले समाधान शिविरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले में कुल 31 समाधान शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इनमें 25 ग्रामीण क्षेत्रों एवं 6 नगरीय निकायों में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जिले के पत्रकारों को समाधान शिविरों के प्रचार-प्रसार में सहभागी बनने का आग्रह किया। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में सुशासन की स्थापना को लेकर लगातार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शासन-प्रशासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शासकीय कार्यों में पारदर्शिता आए. योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हो, और इनका लाभ उन जरूरतमंद वर्गों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचे, जिनके लिए ये योजनाएं बनाई गई हैं। इसी कड़ी में, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य में 'सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस तिहार का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान, शासकीय योजनाओं की समीक्षा और निगरानी, विकास कार्यों में तेजी लाना, और जनता, जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना है। सुशासन तिहार-2025 का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है। पहला चरण 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आयोजित हुआ। जिसमें आम जनता से उनकी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए हैं। ये आवेदन समाधान पेटी, शिविर और ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से लिए गए हैं। आवेदन प्राप्त करने के लिए समाधान पेटी की व्यवस्था जिला और विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर की गई थी। हाट बाजारों में भी आवेदनो का संग्रह किया गया है। गरियाबंद जिले में कुल 01 लाख 44 हजार 988 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 93 हजार 311 आवेदन निराकृत हो चुके है। शेष आवेदनों को तेजी से निराकृत किये जा रहे है। इस दौरान पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर नवीन भगत सहित जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे। प्रेस वार्ता में कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों को स्कैन कर सॉफ्टवेयर में अपलोड कर संबंधित विभाग, जनपद और नगरीय निकाय के अधिकारियों को ऑनलाइन व भौतिक रूप से भेजकर उनके गुणवत्तापूर्ण निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। मांग से संबंधित आवेदनों को बजट की उपलब्धता के आधार पर निराकृत किया जा रहा है। आवेदनों के निराकरण की गुणवत्ता की समीक्षा जिला और राज्य स्तर पर की जा रही है। तीसरे एवं अंतिम चरण की शुरूआत 05 मई से हो रही है. जो 30 मई तक चलेगा। इस दौरान जिले के 08 से 15 ग्राम पंचायतों के बीच एक समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। नगरीय निकायों में भी शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में आवेदकों को उनके आवेदनों पर की गई विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही की जानकारी दी जाएगी। शिविरों में नए आवेदन भी लिए जाएंगे, और जिन मामलों का समाधान वहीं संभव होगा, उनका मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 06 मई 2025

व्यापार समाचार

सैमसंग के फैब ग्रैब फेस्ट के साथ गर्मी को मात दें - गैजेट्स और उपकरणों पर भारी छूट!

गुरुग्रामः भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग एक बार फिर अपनी ब्लॉकबस्टर सेल- फैब ग्रैब फेस्ट के साथ गर्मी को मात देने के लिए तैयार है। 1 मई से शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित सेल में सैमसंग के आधुनिक उत्पादों की व्यापक रेंज पर शानदार, सीमित समय के लिए डील्स मिलेंगी। ये डील्स विशेष रूप से Samsung.com, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

शानदार स्मार्टफोन और लैपटॉप डील्स- सेल की शुरुआत के साथ, ग्राहक सैमसंग गैलेक्सी S, गैलेक्सी F, और गैलेक्सी M सीरीज़ के चुनिंदा स्मार्टफोन मॉडलों पर 41 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। चाहे लेटेस्ट फोल्डेबल हों या पावरफुल कैमरा वाले मॉडल, हर टेक प्रेमी के लिए इस सेल में कुछ न कुछ जरूर मिलेगा। इसके अलावा, चुनिंदा गैलेक्सी टैबलेट, एक्सेसरीज़ और वियरेबल्स पर 50 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध होगी, जो आपके गैलेक्सी इकोसिस्टम को पूरा करने का सही समय है। इतना ही नहीं, टैबलेट जैसा शानदार एवं वर्सेटाइल अनुभव चाहने वाले यूजर्स गैलेक्सी बुक5 और बुक4 लैपटॉप के चुनिंदा मॉडलों पर 35 प्रतिशत तक की छूट के साथ गैलेक्सी एआई के माध्यम से अपने वर्कफ्लो को बेहतर बना सकते हैं। नई गैलेक्सी टैब S10FE सीरीज़ खरीदने वाले ग्राहकों को 2999 रुपये की कीमत का 45W चार्जर (बिना केबल) मुफ्त मिलेगा। अविश्वसनीय कीमतों पर पाएं बड़ी स्क्रीन का आनंद इस एडिशन में सैमसंग के प्रमुख टीवी पर भी शानदार डील्स हैं। ग्राहक नियो-क्यूएलईडी 8K, नियो क्यूएलईडी, ओएलईडी, क्यूएलईडी, द प्रेम, और क्रिस्टल 4K यूएचडी सीरीज़ के लोकप्रिय मॉडलों पर 48 प्रतिशत तक की छूट की उम्मीद कर सकते हैं। जो लोग अपनी दीवारों को कला और टेक्नोलॉजी का संगम बनाना चाहते हैं, वे द प्रेम टीवी चुन सकते हैं। सैमसंग का प्रेम टीवी बंद होने पर एक कला कृति में बदल जाता है, और अब 11000 रुपये तक की तत्काल कार्ट छूट के साथ, प्रीमियम डिज़ाइन और सिनेमाई अनुभव पहले का आनंद उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, चुनिंदा टीवी की खरीद पर ग्राहक 5000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस भी प्राप्त कर सकते हैं।

एयरटेल बिज़नेस ने कंपनियों के लिए 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' (बीएनडी) सेवा की शुरुआत की

रायपुरः एयरटेल बिज़नेस ने 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' (बीएनडी) सेवा के लॉन्च की घोषणा की है। यह सेवा उद्योग में अपनी तरह की पहली, नई तकनीक पर आधारित सुविधा है, जिसका उद्देश्य कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच होने वाले संवाद को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाना है। इस सेवा के ज़रिए कंपनियां, अपनी आउटगोइंग कॉल्स के दौरान ग्राहकों के मोबाइल स्क्रीन पर अपना ब्रांड नाम प्रदर्शित कर सकेंगी, जिससे ग्राहकों को भरोसेमंद बिज़नेस कॉल्स और स्पैम कॉल्स के बीच आसानी से अंतर करने में मदद मिलेगी। एयरटेल ने अपने ग्राहकों को स्पैम कॉल्स से राहत दिलाने के लिए भारत का पहला स्पैम-रोधी नेटवर्क शुरू किया है। इस पहल को देशभर में चलाए गए एक बड़े जनजागरूकता अभियान के ज़रिए ग्राहकों तक पहुंचाया गया, ताकि वे इस समस्या को बेहतर तरीके से समझ सकें और सतर्क रह सकें। इस पहल के चलते एक ओर जहां स्पैम कॉल्स को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने अनजान या स्पैम के रूप में चिन्हित कॉल्स को अनदेखा करना शुरू किया, वहीं दूसरी ओर इसका एक अनचाहा असर यह हुआ कि कई ब्रांड्स की कॉल्स भी स्पैम के तौर पर टैग हो गईं। इस वजह से ग्राहक कई बार बैंकों, फूड डिलीवरी, कूरियर सेवा या डॉक्टर की ज़रूरी अपॉइंटमेंट जैसी अहम कॉल्स मिस कर देते थे। 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' इस समस्या का सीधा और सुरक्षित समाधान है।

यह सेवा हर इनकमिंग कॉल में कंपनी का नाम दिखाकर ग्राहकों को स्पष्ट जानकारी देती है, जिससे वे सोच-समझकर फैसला ले सकें। इससे कंपनियां अपनी पहचान बेहतर ढंग से बना सकती हैं और ग्राहक धोखाधड़ी से सुरक्षित रहते हैं, जिससे एक भरोसेमंद और सुरक्षित संचार का माहौल बनता है। एयरटेल बिज़नेस के डायरेक्टर एवं सीईओ, शरत सिन्हा ने कहा, एयरटेल में हमारा निरंतर प्रयास एक ऐसा संचार अनुभव देने का है जो स्मार्ट, सुरक्षित और पारदर्शी हो। 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' के ज़रिए हम व्यवसायों को हर कॉल के साथ विश्वास कायम करने और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का अवसर दे रहे हैं, वहीं ग्राहकों को यह भरोसा मिल रहा है कि उन्हें कॉल कौन कर रहा है। यह सेवा दोनों पक्षों के लिए संवाद को अधिक निजी, सुरक्षित और सहज बनाने का माध्यम है। इस समाधान का सफल परीक्षण 250 से अधिक कंपनियों के साथ किया गया, जिनमें बैंकिंग, रिटेल, फूड डिलीवरी, मोबिलिटी, क्विक कॉमर्स, कूरियर और लॉजिस्टिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। इन कंपनियों ने पिछले 30 दिनों में 15 लाख से अधिक फ़ोन नंबरों से कुल 1.28 करोड़ कॉल किए, जिससे ग्राहक जुड़ाव में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली।

वेव्स बाजार' ने शुरुआती छत्तीस घंटों में कमाए 250 करोड़

मुंबई(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 'वेव्स 2025' समिट से हुई कमाई का आंकड़ा पेश किया है। मंत्रालय के मुताबिक 'वेव्स बाजार' ने शुरुआती 36 घंटों में 250 करोड़ रुपए से ज्यादा की डील और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां हासिल की। इस आयोजन में पहले डेढ़ दिन में फिल्म, म्यूजिक, एनिमेशन, रेडियो और वीएफएक्स सेक्टर्स में 250 करोड़ रुपए के कंफर्म ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड किए गए। यह आंकड़ा 400 करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है। 'वेव्स बाजार' मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक शक्तिशाली कैटेलिस्ट के रूप में उभरा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने कहा कि क्रिएटर्स को निवेशकों, खरीदारों और सीमा पार के सहयोगियों से कनेक्ट करने के लिए डिजाइन किया गया यह आयोजन भारत को कंटेंट कॉमर्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र में बदलने के लिए तैयार है। अपने पहले संस्करण में वेव्स बाजार ने दक्षिण कोरिया, जापान, अमेरिका, जर्मनी, रूस, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड जैसे 22 से ज्यादा देशों के लीडिंग प्लेयर्स को एक साथ लाने का काम किया।

आरसीबी ने रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर सीएसके को 2 रन से हराया

यश दयाल और रोमारियो शेफर्ड ने बिखेरा जलवा

बेंगलुरु(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शनिवार को आईपीएल 2025 के 52वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 2 रन से हरा दिया है. आयुष म्हात्रे के 94 और रवींद्र जडेजा के नाबाद 77 रन बेकार गए क्योंकि उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा गया. आरसीबी से मिले 214 रनों का पीछा करते हुए सीएसके ने अपने 20 ओवरों में 5 विकेट पर 211 रन बनाए. म्हात्रे ने 48 गेंदों में पांच छक्कों और नौ चौकों की मदद से 94 रन बनाए जबकि जडेजा ने 45 गेंदों पर नाबाद 77 की पारी खेली जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल थे. इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन जोड़े. आरसीबी के लिए लुंगी एनगिडी ने 3/30 के आंकड़े के साथ वापसी की थी. ऐसा लगा कि 16वें ओवर में घरेलू टीम की संभावनाएं खत्म हो गईं. लेकिन सीएसके ने आयुष म्हात्रे (94) और रवींद्र जडेजा दोनों ने 4 गेंदों के अंतराल में विकेट गंवा दिए. 17वें ओवर में लुंगी एनगिडी ने लगातार दो विकेट लिए और खेल फिर से पलट गया. आरसीबी ने मेहमान टीम को परेशान कर रखा था लेकिन अंतिम ओवर में यश दयाल की नो बॉल से ऐसा लग रहा था कि शायद मामला सुलझ गया है लेकिन यश दयाल ने अपना संयम बनाए रखा, यॉर्कर फेंकी, एमएस धोनी को आउट किया और आरसीबी को मैच जीता दिया. इससे पहले जैकब बेथेल (55), विराट कोहली (62) और रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 53) के अर्धशतकों ने आरसीबी को पांच विकेट पर 213 रन पर पहुंचा दिया. बेथेल और कोहली ने शुरुआती विकेट के लिए 97 रन जोड़े जबकि शेफर्ड ने चार चौके और छह छक्के उड़ाते हुए केवल 14 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए जो इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक और कुल मिलाकर संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है. सीएसके के लिए मथीशा पथिराना ने अपनी लय और लेंथ हासिल की और 3-0-36-3 की पारी खेली. इस जीत के साथ आरसीबी प्लेऑफ़ में पहुंच गयई है. इस मैच में आरसीबी ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 213 रन बनाए. 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके 20 ओवर में 5 विकेट पर 211 रन बना पाई और 2 रनों से मैच हार गई.

इंडियाएआई मिशन और इंटेल इंडिया ने एआई क्षमताओं और कौशल को आगे बढ़ाने के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत भारत एआई मिशन ने शुक्रवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं और कौशल को बढ़ाने के लिए इंटेल इंडिया के साथ सहयोग की घोषणा की। इनके बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का उद्देश्य युवाओं, पेशेवरों, स्टार्टअप और पब्लिक सेक्टर्स के लीडर्स को एआई की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करते हुए सशक्त बनाना है। यह साझेदारी दोनों के साझा दृष्टिकोण को भी दर्शाती है, जो भारत में एआई की तैयारी को आगे बढ़ाने, एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम को सक्षम करने और एआई-नेतृत्व वाली शासन प्रणाली को मजबूत करने के लिए है। इंडियाएआई मिशन के सीईओ, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा, भारतएआई मिशन का उद्देश्य इंक्लूसिव इनोवेशन को बढ़ावा देते हुए जिम्मेदार एआई के विकास को सुनिश्चित करना है। साथ ही सार्वजनिक सेवा वितरण की दक्षता को बढ़ाकर भारत को एआई में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करना है। इंटेल इंडिया के साथ सहयोग युवाओं को डेटा साइंस और एआई में ट्रेनिंग देने के लिए एक डेटा लैब स्थापित करने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, युवा-एआई के लिए इंटेल के साथ हमारी साझेदारी ने हजारों छात्रों को एआई की मूल बातें सिखाने में मदद की है। हम भारत एआई मिशन में योगदान देने और इंटेल के साथ काम करने के लिए उनके वैश्विक तकनीकी विशेषज्ञों से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने को तत्पर हैं। यह सहयोग, युवाएआई सशक्तीकरण (स्कूली छात्रों के लिए), स्टार्टअपएआई (स्टार्टअप के लिए), और इंडियाएआई डायलॉग्स (पब्लिक सेक्टर के लीडर्स और नीति निर्माताओं के लिए) सहित प्रमुख कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह भाषिनी को एआई के साथ पूरे भारत में दूरस्थ स्थानों तक पहुंचने में भी मददगार होगा। इंटेल के भारत क्षेत्र के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संतोष विश्वनाथन ने कहा, इंटेल इंडिया और इंडियाएआई मिशन के बीच यह रणनीतिक सहयोग देश भर में एक मजबूत एआई इकोसिस्टम को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

भारत ने पड़ोसी देश को दिया एक और झटका, वॉलीबॉल टूर्नामेंट पाकिस्तान से उज्बेकिस्तान हुआ ट्रांसफर

नईदिल्ली(एजेंसी)। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से भारत पाकिस्तान के बीच तनाव काफी ज्यादा बढ़ गया है. हमले में 26 लोगों की जान जाने से पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा है. हर कोई सरकार से पड़ोसी देश के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा है. जिसकी वजह से भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े फैसले भी ले चुका है और उनसे हर तरह के व्यापार को भी बंद करने का ऐलान कर दिया है. दोनों देशों के इस तनाव का असर खेल पर भी पड़ा है. जिसमे क्रिकेट सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, अब इस तनाव की चपेट में एक और खेल वॉलीबॉल भी आ गया है. दरअसल मध्य एशियाई वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन इस साल मई में पाकिस्तान में होना था लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था, क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया है. जिसके बाद मध्य एशिया वॉलीबॉल संघ (सीएवीए) ने इस टूर्नामेंट को उज्बेकिस्तान में ट्रांसफर कर दिया. पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मध्य एशिया वॉलीबॉल संघ (सीएवीए) ने इस आयोजन को उज्बेकिस्तान में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है. अधिकारी ने कहा, भारत के टूर्नामेंट से हटने से पाकिस्तान वॉलीबॉल को बड़ा झटका लगा है.

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में सरकार ने अब तक झुग्गीवासियों को वितरित किए 90 लाख घर

नई दिल्ली(एजेंसी)। सरकार द्वारा सोमवार को संसद में कहा गया कि 3 मार्च 2025 तक प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को 90.60 लाख घर दिए गए हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तोखन साहू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि पीएमएवाई-यू के तहत मंत्रालय द्वारा कुल 118.64 लाख मकानों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 112.46 लाख मकानों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और 3 मार्च 2025 तक 90.60 लाख मकान पूरे हो चुके हैं या लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि फंडिंग पैटर्न और कार्यान्वयन पद्धति में बदलाव किए बिना स्वीकृत घरों को पूरा करने के लिए योजना की अवधि 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है। राज्य मंत्री ने कहा कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) 25 जून, 2015 से पीएमएवाई-यू के तहत केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता कर रहा है, जिससे देश भर में मलिन बस्तियों सहित शहरी क्षेत्रों में पक्के मकान उपलब्ध कराए जा सकें। राज्य मंत्री साहू ने कहा कि पीएमएवाई-यू के कार्यान्वयन के नौ वर्षों के अनुभवों से सीख लेकर मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है और एक करोड़ अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों के लिए 1 सितंबर, 2024 से पीएमएवाई-यू 2.0 'सभी के लिए आवास' मिशन शुरू किया है। राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं और ऐसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 6.77 लाख घरों की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में 1.39 करोड़ परिवारों के कुल 6.54 करोड़ लोग झुग्गियों में रह रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम ने 10 वर्षों में 25 लाख नौकरियां पैदा कीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग ने 11 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर पिछले 10 वर्षों में पांच गुना वृद्धि दर्ज करवाई है। साथ ही यह पूरा इकोसिस्टम 25 लाख नौकरियां पैदा करने में सक्षम रहा। हरियाणा के मानेसर में वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज की एसएमटी (सरफेस माउंट टेक्नोलॉजी) लाइन का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात छह गुना बढ़कर 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। यह वीवीडीएन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सर्वर, नेटवर्किंग इक्विपमेंट और मदरबोर्ड जैसे लार्ज और कॉम्प्लेक्स प्रोडक्ट्स को मैन्युफैक्चर करने में मददगार होगा, जिससे आयात पर निर्भरता कम करने और भारत के सप्लाई चेन को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों को उनकी विश्वसनीयता बनाए रखने और आई अधिकारों के सम्मान का फायदा मिलता है। इन उत्पादों को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में स्वीकृत 22,919 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स पीएलआई इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बेहतर बनाने में अहम होगी।

वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी ने भारत का सबसे ऊंचा अकादमिक ब्लॉक खोला

न्यू दिल्ली—: वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी ने भारत के सबसे ऊंचे अकादमिक ब्लॉक महात्मा गांधी अकादमिक ब्लॉक के भव्य उद्घाटन किया है। महात्मा गांधी अकादमिक ब्लॉक, 45 मीटर ऊंचा और 7.68 लाख वर्ग फीट में फैला हुआ है, जो मॉडर्न आर्किटेक्चर और एजुकेशनल इनोवेशन का एक प्रमाण है। इस अत्याधुनिक सुविधा में एडवांस्ड क्लासरूम्स, लेक्चर हॉल्स, गैलरी स्पेस और 700 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल हैं। भारत की नंबर 1 मूवी इवेंट और प्रमोशनल कंपनी श्रेयस मीडिया ने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में महात्मा गांधी अकादमिक ब्लॉक, और नए पुरुष और महिला हॉस्टल ब्लॉकों का उद्घाटन किया, जिनके नाम हैं वीवी गिरी ब्लॉक (2.31 लाख वर्ग फुट), आचार्य एनजी रंगा ब्लॉक (2.26 लाख वर्ग फुट), और दुर्गाबाई देशमुख ब्लॉक (2.26 लाख वर्ग फुट)। उन्होंने वी-लॉन्चपैड-2025 (ग्लोबल इनोवेटर्स चैलेंज) भी लॉन्च किया। माननीय मुख्यमंत्री ने 2016 में वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी के सेंट्रल ब्लॉक की आधारशिला रखी थी। उनकी गरिमामयी उपस्थिति वीआईटी-एपी यूनिवर्सिटी की अकादमिक एक्सीलेंस और इनोवेशन की निरंतर खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

वी-लॉन्चपैड 2025, एक वैश्विक इनोवेटर्स चैलेंज है, जिसे वीआईटी-एपी स्कूल ऑफ बिजनेस (वीएसबी), इनोवेशन इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल (आईआईईसी) और वीआईटी-एपी टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेशन फाउंडेशन (वीटीबीआईएफ) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह उभरते एंटरप्रेन्योर्स को मेंटरशिप और इनक्यूबेशन सहायता के साथ इनोवेटिव बिज़नेस कॉन्सेप्ट को प्रस्तुत करने के लिए एक प्लेटफार्म प्रदान करता है। वी-लॉन्चपैड, छात्रों और स्टार्टअप के बीच इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और लीडरशिप को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई एक अभूतपूर्व पहल है।

अब अपने चौथे संस्करण में, इस वर्ष की चुनौती ग्लोबल हो गई है, जिसमें आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूएसए), एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, आईबीएस ग्लोबल (पोलैंड) और अन्य सहित प्रमुख राष्ट्रीय और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशंस से 800 टीमें पंजीकृत हैं। 'स्वर्णांध्र ञ2047 के लिए सस्टेनेबल सॉल्यूशंस की थीम पर आधारित, वी-लॉन्चपैड 2025 का उद्देश्य ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी को संबोधित करने वाले ट्रान्सफॉर्मेटिव सॉल्यूशंस को उत्प्रेरित करना है।

सीएम ने वीआईटी के चेयरमैन डॉ. जी विश्वनाथन की सफलता की कहानी की प्रशंसा की, जिन्होंने एक साधारण शुरुआत से आगे बढ़कर वीआईटी की स्थापना की, जो एक ग्लोबल लेवल पर मान्यता प्राप्त एजुकेशनल इंस्टीटूशन है। उन्होंने याद किया कि कैसे विश्वनाथन ने 2014 में अमरावती में वीआईटी स्थापित करने की मंजूरी मांगी थी, उन्होंने एजुकेशन और इनोवेशन के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

संस्थापक और कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा, मुख्यमंत्री श्री नारा चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण पर आधारित यह उद्घाटन अमरावती को ग्लोबल नॉलेज और इनोवेशन हब बनने की दिशा में आगे बढ़ाता है। नए उद्घाटन किए गए ब्लॉक और वी-लॉन्चपैड 2025 पहल प्रतिभा को आगे बढ़ने, एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने और एजुकेशनल एक्सीलेंस को आगे बढ़ाने के लिए हमारे अटूट समर्पण की पुष्टि करते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 06 मई 2025

नए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने सम्हाला कार्यभार

रायपुर (विसं)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के अनुमोदन के बाद छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के बाद सीईओ कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों के बारे में जाना। उन्होंने वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। श्री कुमार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना से काम करते हुए निर्वाचन में राज्य की उत्कृष्ट पहचान को बनाए रखने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, कई जिलों में तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ होगी बारिश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है, एक बार फिर से मौसम ने करवट ली है. प्रदेश के उत्तर और दक्षिण-मध्य हिस्सों के कई जिलों में मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. खासकर सरगुजा संभाग के सभी जिलों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है.मौसम विभाग के अनुसार नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा मरवाही, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर जिलों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, मेघगर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और आंधी आने की चेतावनी दी गई है इसके अलावा बीजापुर, बस्तर, राजनांदगांव, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, दुर्ग, कबीरधाम, मुंगेली सहित अन्य जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है. बालोद, कांकेर और कोंडागांव के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ के साथ बारिश हो सकती है.

श्री विद्यासागर जी महाराज की अपमानजनक फोटो को लेकर जैन समाज ने एडिशनल एसपी एवं साइबर क्राइम प्रभारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र के जालना जिले में जफराबाद निवासी ज्ञानेश्वर गाढ़े ने राजनीतिक एवं निजी स्वार्थ हेतु महाराष्ट्र के एक नेता नितेश राणे का चेहरा जैन धर्म के समाधिस्थ गुरुदेव 108 श्री विद्यासागर जी महाराज की फोटो को टेंपरिंग करके विकृत किया और जान बुझकर सोशल मीडिया एवं फेसबुक में अपलोड किया, जैन धर्म इस कृत की कड़े शब्दों में निंदा करता है हमारे जैन गुरु का अपमान नहीं सहेगा जैन समाज, संपूर्ण जैन समाज में इस विषय को लेकर रोष व्याप्त है आज सकल जैन समाज रायपुर की प्रतिनिधी मंडल ने सिविल लाइन स्थित कार्यालय में एडिशनल एसपी एवं साइबर क्राइम प्रभारी से मुलाकात कर शिकायत पत्र दिया और आग्रह किया भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत सोशल मीडिया में प्रसारित एवं प्रचारित जैन धर्म की धार्मिक विश्वासों के प्रतीक गुरुओं का अपमान करने वाली टिप्पणी करने के वाले अपराधी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के ऊपर प्रकरण दर्ज कर 7 दिन के अंदर कठोर से कठोर कार्रवाई करे अन्यथा शांति प्रिय जैन समाज क्रमश: आंदोलन करेगा। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष नरेश जैन के नेतृत्व में विनोद जैन, नरेंद्र जैन, यशवंत जैन, दिलीप जैन राजेश जैन, सुरेश पाटनी अजय गंगवाल, सनत गंगवाल एवं लोकेश चंद्रकांत जैन उपस्थित रहे।

नवीन तकनीकी के दौर में खोती जा रही है वास्तविक पत्रकारिता

दैनिक विश्व परिवार के कीर्तिशेष संपादक प्रवीण कुमार जैन की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी में राष्ट्रीय संपादकों ने दिए संबोधन

राजकीय संग्रहालय सभागार में आयोजित सभा में वक्ताओं ने प्रवीण जैन को अंतस्तल से किया याद

प्रवीण जैन एक व्यक्ति नहीं अपने आप में एक संस्था एवं साहसी व्यक्तित्व थे : प्रदीप जैन 'आदित्य'

झांसी (विश्व परिवार)। अग्रणी समाजसेवी, प्रखर वक्ता, दैनिक विश्व परिवार के पूर्व संपादक तथा पत्रकार भवन के पूर्व अध्यक्ष कीर्तिशेष श्री प्रवीण कुमार जैन का प्रथम पुण्य स्मरण दिवस आज राजकीय संग्रहालय में आयोजित किया गया।

श्री गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता उन्नयन समिति, एवं दैनिक विश्व परिवार झांसी एवं रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस पुण्य स्मरण दिवस के अवसर पर मीडिया जगत तथा राजनीतिक जगत से जुड़ी तमाम हस्तियां शामिल हुईं। इस अवसर पर नवीन तकनीकी के दौर में पत्रकारिता विषय पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें तमाम वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए नवीन तकनीकी के दौर में पत्रकारिता की विश्वसनीयता तथा मौलिकता को संभाल कर रखने की जरूरत पर बल दिया गया।

इस अवसर पर पांच हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दैनिक विश्व परिवार के संस्थापक, कीर्तिशेष श्री कैलाश चंद्र जैन, एवं कीर्तिशेष श्री प्रवीण कुमार जैन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता तथा राज्यसभा टीवी, भारतीय संसद, नई दिल्ली के पूर्व संपादक अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि तकनीकी के इस नवीन दौर में वास्तविक पत्रकारिता कहीं खो गई है। सच्चाई यह है कि तकनीकी के दौर में यथार्थ बमुश्किल देखने को मिल रहा है। तथ्यों का पुष्टिकरण किसी भी खबर की जान होता है, लेकिन आज के दौर में यह कहीं विलुप्त होता चला जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता कल भी कायम थी और आज भी कायम है, और निश्चित रूप से आने वाला समय भी प्रिंट मीडिया का ही होगा।

उन्होंने प्रिंट मीडिया के शुरुआती दौर से लेकर नवीन तकनीकी के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी के दौर की तुलना करते हुए कहा कि नवीन तकनीकी के दौर में सड़क पर पत्रकारों को ट्रेंड करने का सिलसिला खत्म हो गया है, लेकिन प्रिंट मीडिया में आज भी यह सिलसिला लगातार जारी है। यही वजह है कि आम जनता की आवाज बनने में जितना सक्षम प्रिंट मीडिया है, उतना शायद नवीन तकनीकी का दौर नहीं है।

विशिष्ट अतिथि तथा प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, भारत गणराज्य, लखनऊ की पूर्व सदस्य तथा जन मोर्चा की संपादक, सुश्री डॉक्टर सुमन गुप्ता ने भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि नवीन तकनीकी के दौर में नई पीढ़ी में इसके दुरुपयोग की संभावनाएं बहुत ज्यादा बढ़ी हैं। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म केवल सूचनाओं का बिना पुष्टिकरण किए हुए ही आदान-प्रदान का माध्यम बन गए हैं। सच्चाई यह है कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सूचनाएं हैं, लेकिन उनको सही ढंग से परोसा नहीं जा पा रहा है। इससे न केवल आम जनमानस गुमराह हो रहा है, बल्कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने सभी से मिलकर इस विश्वसनीयता को सुरक्षित करने के लिए एक कदम आगे आने की अपील की।

उन्होंने कहा कि आज संपादक की मौलिक कलम कहीं खोती चली जा रही है, क्योंकि नवीन तकनीकी के दौर में सब कुछ शॉर्टकट तरीके से चलने लगा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष, पवन गौतम ने कहा कि एक समय वह भी था कि जब अखबार के दफ्तरों में प्रेस विज्ञप्तियां पहुंचाई जाती थीं और वहां के पत्रकारों से बातचीत करने के अवसर प्राप्त होते थे, लेकिन नवीन तकनीकी के दौर में व्हाट्सएप एक ऐसा माध्यम आया है, जिसमें अब संवाद करना लगभग खत्म सा होता चला जा रहा है। नई पीढ़ी को इस बारे में बेहद सचेत होने की आवश्यकता है।

सदर विधायक, रवि शर्मा ने कहा कि निश्चित रूप से पत्रकार समाज की वह कड़ी है, जो आम जनमानस की आवाज को सिस्टम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सच्चे पत्रकार, जो इस पेशे को अपनाते हैं, वह इस पेशे के साथ-साथ आर्थिक अभाव को भी अपना लेते हैं, लेकिन अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते। अपने कर्तव्यों से कभी विमुख नहीं होते। ऐसे लोगों के कारण ही आज समाज का चौथा स्तंभ अविश्वसनीयता के इस दौर में विश्वसनीय बना हुआ है।

उन्होंने स्वर्गीय श्री प्रवीण कुमार जैन के संस्मरण भी सभी के समक्ष रखते हुए कहा कि वह समाज के लिए समर्पित एक ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनका विकल्प मिल पाना बेहद मुश्किल है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री, प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि श्री प्रवीण कुमार जैन एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संस्था थे। सभी को साथ लेकर चलना, निर्भीक होकर सत्य के लिए लड़ना, साहसी बनकर पत्रकारिता की चुनौतियों का सामना करना, बड़े-बड़े लोग ही कर पाते हैं और प्रवीण कुमार जैन भी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे। उनके जाने से जो क्षति हुई है, वह कभी पूरी नहीं हो सकती। नई पीढ़ी को प्रवीण कुमार जैन के किए गए कर्म से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में आगे बढ़ने की जरूरत है।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत दैनिक विश्व परिवार, रायपुर के संपादक, श्री प्रदीप कुमार जैन ने किया।

संगोष्ठी को मुंबई से आए गजल गायक, जसवंत सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार, मोहन नेपाली, मनमोहन मनु, डॉ. सुनील तिवारी, शैलेंद्र जैन, टीपू सुल्तान, रिपुसुदन नामदेव, हरिकृष्ण चतुर्वेदी आदि सहित तमाम वक्ताओं ने संबोधित किया।

संगोष्ठी के बाद कीर्तिशेष श्री प्रवीण कुमार जैन की स्मृति में पूर्व ओलंपियन, अशोक ध्यानचंद, समाजसेविका, डॉ. नीति शास्त्री, वरिष्ठ पत्रकार, मोहन नेपाली, जैन धर्म को लगातार आगे बढ़ाने वाले, संजय जैन करनल, तथा बेकार वस्तुओं को आकार देने वाली, नीलम सारंगी को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी सर्व श्री सुभाष जैन, रविंद्र जैन सीटीआई, आलोक सांडिल्य, डॉ. जिनेंद्र जैन, राजकुमार अंजुम, सुदर्शन शिवहरे, अमित प्रधान, शाहरुख खान, अरुण द्विवेदी, शाजिया खान, विक्रम जैन, बृजेंद्र मोदी, राजीव जैन अहिंसा, रमेश यादव, शीतल तिवारी, के डी जैन, कमल जैन, भूपेन्द्र रायकवार, एड. राजेश चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता, मदनलाल बबेले ने किया।

अंत में आभार श्री आलोक जैन व डॉ. मनमोहन मनु ने व्यक्त किया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने घटाई होम लोन की ब्याज दरें, नई दरें 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने होम लोन की ब्याज दरों में कमी किए जाने की घोषणा की है। बैंक की होम लोन ब्याज दरें अब 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष (पहले 8.40 प्रतिशत प्रति वर्ष) से शुरू होंगी। ये दरें नए होम लोन और होम इमप्रूवमेंट लोन पर लागू होंगी। दरेंउधारकर्ता के क्रेडिट स्कोर से लिंक्ड हैं और15 लाख रुपये और उससे अधिक के ऋण पर लागू होंगी। बैंक ने रेपो रेट से लिंक्ड ऋण वाले अपने मौजूदा उधारकर्ताओं को रेपो रेट में कटौती का लाभ पहले ही दे दिया है। इसके अलावा, बैंकतैयार संपत्तियों, होम लोन शिफ्टिंग आदि के लिए महिला उधारकर्ताओं के लिए 0.05त्न प्रति वर्ष और 40 वर्ष से कम आयु के उधारकर्ताओं के लिए 0.10 प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायत भी दे रहा है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक श्री संजय मुदालियर ने कहा कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के होम लोन पर घटी हुई दरें घर की खरीद को और अधिक किफायती बना देंगी। हम कुछ विशेष महत्वपूर्ण सेगमेंट के लिए विशेष रियायतें भी दे रहे हैं। जहां एक ओर ये संशोधित दरें घर खरीदने का सपना देखने वाले ग्राहकों को प्रतिस्पर्धी ऋण समाधान प्रदान करने की बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, वहीं दूसरी ओर इससे पसंदीदा हाउसिंग फायनांस भागीदार के रूप में हमारी स्थिति और सुदृढ़ होगी। बैंक की होम लोन बैलेंस ट्रांसफर योजना, अन्य बैंकों और एनबीएफसी के उधारकर्ताओं को न्यूनतम दस्तावेज़ीकरण और शीघ्र प्रोसेसिंग के साथ, अपने होम लोन को बैंक ऑफ़ बड़ौदा में अंतरित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हुए उन्हें कम ब्याज दरों का लाभ प्रदान करती है।

बैंक आफ़ बड़ौदा होम लोन की मुख्य विशेषताएं- ब्याजदरें 8.00 प्रतिशत प्रतिवर्ष से शुरू। महिला उधारकर्ताओं के लिए 0.05 प्रतिशत प्रति वर्ष, 40 वर्ष से कम आयु के उधारकर्ताओं के लिए 0.10त्न प्रति वर्ष तथा टेक ओवर/बैलेंस ट्रांसफर, पूरी तरह से तैयार संपत्तियों और सरकारी प्रोजेक्ट के मामलों में बैंक के न्यूनतम ब्याज दर दिशा-निर्देश के अधीन 0.10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की रियायत देय है। न्यूनतम दस्तावेज़ीकरण के साथ होम लोन टेक ओवर की सुविधा। डिजिटल गृह ऋण के साथ, कुछ ही चरणों में त्वरित मंजूरी।

आवेदक निकटतम बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा में जाकर या बैंक की वेबसाइट के माध्यम से होम लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। नियम व शर्तें लागू।

निधन पश्चात सुरेंद्र कुमार गोधा का देहदान

दुर्ग (विश्व परिवार)। जवाहर नगर इंडस्ट्रियल एरिया निवासी गोधा परिवार ने अपने परिवार की परम्परा जारी रखते हुए सुरेंद्र कुमार गोधा के निधन के पश्चात उनके देहदान व नेत्रदान से द परिवारों को नया जीवन मिलेगा व दो नेत्रहीन अब प्रकृति को श्री गोध की आंखों से देख पाएंगे एवं देहदान से मेडिकल के छात्रों के अनुसंधान को मदद मिलेगी। गोधा परिवार की ओर से सत्येंद्र गोधा (भाई) श्रद्धा जैन-शैलेश जैन (पुत्री-दामाद), स्वीटी जैन-रिंकू जैन (पुत्री-दामाद), प्रतिभा जैन (पुत्रवधु), प्रेक्षा गोधा (पौत्री), महक गोधा (पौत्री) एवं समस्त गोधा परिवार की सहमति से देहदान व नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण हुई। श्री गोधा के निधन का समाचार मिलते ही नव दृष्टि फाउंडेशन से राज आढ़तिया, कुलवंत सिंह भाटिया, रितेश जैन, मोहित अग्रवाल, मंगल अग्रवाल, राजेश पारख एवं सपन जैन पूरा समय उपस्थित रहे व सम्पूर्ण प्रक्रिया को पूरा करने में अपना सहयोग दिया। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉ. संदीप बाचकर, डॉ. उत्कर्ष बंसल, डॉ. संजना शर्मा, डॉ. सौम्या देवांगन एवं नेत्र सहायक विवेक कुमार ने नेत्रदान को पूर्ण किया। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की एनाटॉमी विभाग की प्रमुख अंजलि वंजारी के निर्देश पर संदीप रिशबुड, हंसराज ने देहदान प्रक्रिया पूर्ण की।

विश्व अस्थमा दिवस 2025 : इनहेलर का उपचार सभी के लिए आसान बनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। अस्थमा आज भी सभी आयु वर्गों के लाखों लोगों को प्रभावित करता है, जो अक्सर उनके दैनिक जीवन को बाधित करता है और गंभीर मामलों में गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न कर सकता है। 6 मई विश्व अस्थमा दिवस प्रभावी अस्थमा देखभाल और प्रबंधन के महत्व को उजागर करता है। इस वर्ष की थीम 'इनहेलर उपचार सभी के लिए आसान बनाएं' इस आवश्यकता को दोहराती है कि अस्थमा नियंत्रण और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उचित उपचारों को प्राथमिकता दी जाए।

डॉ. दीपेश मास्की (वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट, एमएमआई नारायणा हेल्थ, रायपुर) के अनुसार, अस्थमा एक पुरानी स्थिति है जिसमें स्वाशनली में सूजन आ जाती है, जिससे सांस की तकलीफ, घरघराहट, खांसी और सीने में जकड़न जैसे सामान्य लक्षण उत्पन्न होते हैं। ये लक्षण कुछ लोगों के लिए हलके रहते है, लेकिन कई लोगो और भी गंभीर होते हैं विशेषकर तब, जब यह धूल, परागकण, धुआं, व्यायाम या मौसम में बदलाव जैसे पर्यावरणीय कारणों से उत्पन्न होते हैं। अस्थमा प्रबंधन का सबसे प्रभावी तरीका है इनहेल्ड दवाओं का नियमित उपयोग। इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स समय के साथ वायुमार्ग की सूजन को कम करते हैं, जबकि ब्रोंकोडाइलेटर ऑनलाइन उपलब्ध है। चौथे दिन पर्यटक भारत गौरव ट्रेन के साथ सतारा के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रतापगढ़ किले का भ्रमण करेंगे। यह वही ऐतिहासिक किला है जहाँ 1659 में अफ़ज़ल खान और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच युद्ध हुआ था, जिसने मराठा साम्राज्य की नींव रखी। दिन में लंच के बाद ट्रेन अपने अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए रवाना होगी। पांचवें दिन की सुबह ट्रेन छत्रपति शाहू जी महाराज टर्मिनस, कोल्हापुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। यहां होटल में नाश्ते और तैयारियों के बाद पर्यटक महालक्ष्मी मंदिर (अंबाबाई) और फिर पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्री पर्वत पर स्थित यह किला कई ऐतिहासिक लड़ाइयों का साक्षी रहा है। यहीं शिवाजी महाराज 500 दिनों तक रुके और फिर सफलतापूर्वक निकल भागे थे। पन्हाला किला अपने साँप-जैसे आकार के कारण 'फोर्ट ऑफ स्नेक्स' भी कहलाता है। यह किला शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के जीवन से जुड़ा है।

जल्द निदान और नियमित निगरानी भी अत्यंत आवश्यक हैं, विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए, जो जटिलताओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

डॉ. वर्षा विश्वनाथ (पल्मोनोलॉजिस्ट, एमएमआई नारायणा हेल्थ, रायपुर) के अनुसार, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात में जोर देते हैं कि मरीजों को अपनी स्थिति और उपचार योजना को समझना चाहिए। उदाहरण के लिए, इनहेलर की सही तकनीक यह निर्धारित करती है कि दवा कितनी प्रभावी होगी। साधारण प्रदर्शन और नियमित परामर्श के दौरान जांच से प्रभावशीलता में काफी सुधार किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, एक अस्थमा एक्शन प्लान—जिसमें दैनिक देखभाल और लक्षण बिगड़ने पर उठाए जाने वाले कदम शामिल हों- मरीजों को आत्मविश्वास से अपनी स्थिति को संभालने में सक्षम बनाता है।

इस वर्ष की थीम यह बताती है कि इनहेल्ड उपचार विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता हैं। इनकी उपलब्धता और नियमित उपयोग अस्थमा को एक सीमित करने वाली स्थिति से एक नियंत्रित स्थिति में बदल सकते हैं। जैसे-जैसे जागरूकता बढ़ती है, वैसे-वैसे यह सुनिश्चित करने के प्रयास भी बढ़ने चाहिए कि ये उपचार उन सभी तक पहुँच सकें जिन्हें इनकी आवश्यकता है। इस विश्व अस्थमा दिवस पर संदेश स्पष्ट है- सही जानकारी और निरंतर देखभाल से अस्थमा को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। निर्धारित इनहेलर का नियमित उपयोग, व्यक्तिगत ट्रिगर्स के प्रति जागरूकता, और नियमित चिकित्सकीय जांच ये सभी नियंत्रण बनाए रखने और जटिलताओं से बचाव के लिए आवश्यक हैं। इन कदमों को अपनाकर न केवल दैनिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है, बल्कि व्यक्ति अस्थमा के बावजूद सक्रिय और संतोषजनक जीवन जी सकते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के दर्शन कराएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

रायपुर (विश्व परिवार)। हैरिटेज स्पेशल टूर में पर्यटकों को रायगढ़ किला, पुणे (लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि), शिवनेरी किला, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, प्रतापगढ़ किला और कोल्हापुर (महालक्ष्मी मंदिर और पन्हाला किला) दिखाए जाएंगे।

भारतीय रेल पहली बार 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर हैरिटेज टूर का आयोजन करने जा रही है। इस टूर में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को कवर किया जाएगा। भारत गौरव ट्रेन अपनी यात्रा की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) से करेगी, और कोंकण रेलवे नेटवर्क पर स्थित मनगांव रेलवे स्टेशन पहुंचेगी- जो रायगढ़ किले का सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन है। रायगढ़ वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में उनकी राजधानी भी बना। रायगढ़ किला घूमने के बाद पर्यटक ट्रेन पर वापस

आएंगे और पुणे के लिए रवाना होंगे, जहां रात के खाने और होटल में रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी।

यात्रा के दूसरे दिन पर्यटकों को पुणे के प्रमुख स्थलों ङ्क लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि ङ्क दिखाए जाएंगे। लाल महल का निर्माण 1630 ई. में शाहजी भोंसले ने अपनी पत्नी जीजाबाई और पुत्र शिवाजी के लिए करवाया था। वर्तमान संरचना 1984 में पुनर्निर्मित हुई है और इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़ी तैल चित्रों की एक विशाल श्रृंखला लगी है। कसबा गणपति मंदिर, पुणे के ग्रामदेवता के रूप में प्रसिद्ध है जिसे 1893 में स्थापित किया गया। माना जाता है कि इस स्थान को छत्रपति शिवाजी की माता जीजाबाई द्वारा चुना गया था। इसके बाद से ही पुणे को भगवान गणेश का नगर कहा जाने लगा। पर्यटक यहां से शिवसृष्टी जाएंगे, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित भारत का सबसे बड़ा थीम पार्क है। यहां पर्यटक 3ष्ठ में शिवाजी के जीवन दर्शन और अन्य इंटरैक्टिव सेशंस का आनंद लेंगे। पुणे में रात्रि विश्राम के बाद पर्यटक यात्रा के तीसरे दिन पुणे से लगभग 95 किलोमीटर दूर स्थित शिवनेरी किले की यात्रा करेंगे, जो जुन्नार सिटी के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव का प्रतीक है। इसी दिन दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके बाद रात्रि विश्राम के लिए पर्यटक पुणे लौटेंगे।

'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट टूर' के लिए बहुप्रतीक्षित ट्रेन यात्रा 09 जून 2025 को प्रस्थान करेगी। 5 रात और 6 दिन की इस यात्रा की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से होगी। अत्याधुनिक भारत गौरव एसी टूरिस्ट ट्रेन, स्लीपर, सेकेंड एसी और थर्ड एसी कोच के साथ कुल 748 पर्यटकों को समायोजित करने की क्षमता रखती है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दादर और ठाणे रेलवे स्टेशनों से भी सवार हो सकते हैं। इस विरासत यात्रा के टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354